https://www.instagram.com/sachbedhadakd https://www.youtube.com/@SachBedhadakD https://x.com/SachBedhadakD https://www.facebook.com/SachBedhadakD

80वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

FIRST INDIA

दैनिक हिंदी अखबार

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित

सच बेधड़क

हरियाली तीज आज

वर्ष: 5 I अंक: 246 जयपुर, शनिवार, 15 अगस्त, 2026 I श्रावण मास, शुक्ल पक्ष-तृतीया, विसं 2083 पृष्ठ: 16 I मूल्य: 3.00

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

श्री अमित शाह

के कर कमलों से

₹12,112 करोड़

के विकास कार्यों की सौगात

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

67 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि के ₹667 करोड़ की DBT

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत ₹152 करोड़ की DBT

10,548 अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र

सड़क . ऊर्जा . पेयजल . शिक्षा . डेयरी . लोक निर्माण
स्वास्थ्य एवं अन्य आधारभूत संरचनाएं

अलवर

17 जिले को ₹6,453 करोड़ के 954 विकास कार्य

387 कार्यों का शिलान्यास
567 कार्यों का लोकार्पण

विजय नगर ग्राउंड
अलवर

निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़

15 जिले को ₹5,659 करोड़ के 944 विकास कार्य

442 कार्यों का शिलान्यास
502 कार्यों का लोकार्पण

डॉ. भीमराव अंबेडकर
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़)

16 अगस्त, 2026

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

स्वतंत्रता का 80वां पर्व: आत्ममंथन का अवसर

साल नहीं गिनने, अब सच करने हैं सपने

डॉ. सुनिल शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

तिरंगा तभी अपनी पूरी शान से लहराएगा जब हर नागरिक गर्व से कह सके

'हां, मैं स्वतंत्र हूं, सुरक्षित हूं और मेरे सपनों को पूरा करने का मुझे पूरा अधिकार है।'

15 अगस्त 2026 को भारत अपनी स्वतंत्रता के 80वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है। यह ऐतिहासिक मील का पत्थर केवल उत्सव मनाने, तिरंगा फहराने या राष्ट्रगान गाने भर का अवसर नहीं है, बल्कि यह उन असंख्य ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का क्षण है। यह आत्ममंथन का वह पवित्र बेला है जब हमें स्वयं से यह ईमानदार सवाल पूछना चाहिए, क्या हमने उसी भारत का निर्माण किया है, जिसकी कल्पना हमारे पुरखों ने अपना सर्वस्व न्योछावर करते समय की थी? आजादी की यह लड़ाई महज एक राजनीतिक संघर्ष नहीं थी, बल्कि यह भारतीय संस्कृति के महान आदर्श 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' (सब सुखी हों, सब निरोग हों और किसी को भी दुख का भागी न बनना पड़े) को चरितार्थ करने का महायज्ञ था।

'अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों...' बलिदान और उम्मीदों का संगम

आजादी की कीमत को केवल इतिहास के पन्नों में नहीं, बल्कि भगत सिंह के फंदों, चंद्रशेखर आजाद के संकल्प, रामप्रसाद बिस्मिल के तरानों, अशफाक उल्ला खां के जज्बे, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आह्वान और महात्मा गांधी के आदर्शों में महसूस किया जा सकता है।

**'कर चले हम फिदा जान-ओ-तन साथियों,
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।'**

यह गीत महज एक भावनात्मक धुन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के नाम लिखा गया एक पवित्र आज्ञापत्र है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हमने इस अमानत की हिफाजत पूरी ईमानदारी के साथ की है?

वास्तविक स्वतंत्रता: जब फिजाओं में घुले खुशहाली की खुशबू

आजादी का मतलब केवल विदेशी हुकूमत से मुक्ति नहीं है। वास्तविक स्वतंत्रता तब है जब कोई भी नागरिक भूख, भय, भेदभाव और अन्याय की बेड़ियों में न जकड़ा हो।

- यदि कोई युवा रोजगार की आस में भटकता रहे
- यदि कोई महिला असुरक्षा के साए में जीने को मजबूर हो
- यदि किसी व्यक्ति को उसकी जाति, धर्म या भाषा के आधार पर प्रताड़ित किया जाए
- यदि कोई बच्चा गरीबी के कारण स्कूल न जा पाए

तो हमारा हर उत्सव अधूरा है। हमें यह समझना होगा कि अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जब हर नागरिक अपनी छोटी-छोटी जिम्मेदारियों को निभाना शुरू कर देगा, तभी इस देश की आबोहवा में खुशहाली की महक बिखर सकेगी।

शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि और नया संकल्प

शहीदों को सच्ची पुष्पांजलि उनके स्मारकों पर फूल चढ़ाना नहीं, बल्कि उनके सपनों के भारत का निर्माण करना है। 15 अगस्त 2026 हमें यह याद दिलाएगा कि यह विरासत हमें बड़ी मुश्किल से मिली है। 'अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों...' के उद्घोष को अपने जीवन का मंत्र बनाकर हमें आगे बढ़ना होगा। तिरंगा तभी अपनी पूरी शान से लहराएगा जब इस देश की भूमि पर रहने वाला हर एक नागरिक गर्व से कह सके- 'हां, मैं स्वतंत्र हूं, सुरक्षित हूं और मेरे सपनों को पूरा करने का मुझे पूरा अधिकार है।' यही अमर सेनानियों को हमारी सबसे बड़ी और सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

जिम्मेदारी सरकार की ही नहीं, हमारी भी है!

हम अपनी हर समस्या के समाधान के लिए केवल सरकारों की ओर ताकते रहते हैं। लेकिन एक जीवंत लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका उतनी ही अहम है।

- क्या हम सड़क पर यातायात नियमों का पालन करते हैं?
- क्या हम सार्वजनिक संपत्तियों को अपनी संपत्ति मानते हैं?
- क्या हम भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े होने का साहस रखते हैं?
- एक ईमानदार शिक्षक, एक संवेदनशील डॉक्टर, एक कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी और एक जागरूक मतदाता ही सच्चा राष्ट्र निर्माता होता है।

आओ, मिलकर बुनें सपनों का भारत

इस 80वें स्वतंत्रता पर्व पर हमें केवल अतीत का लेखा-जोखा नहीं रखना, बल्कि भविष्य का ब्लूप्रिंट तैयार करना है। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां:

- विकास का लाभ समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।
- युवाओं को योग्यता के आधार पर अवसर मिलें।
- किसान बिना किसी फिक्र के सम्मान का जीवन जिएं।
- प्रकृति और आधुनिक विकास के बीच संतुलन कायम रहे।

उपलब्धियों से जगमगाता 79 वर्षों का स्वर्णिम सफर

स्वतंत्रता के समय जिस राष्ट्र के पास भुखमरी, अशिक्षा, खाद्यान्न संकट और शून्य औद्योगिक आधार जैसी विकट चुनौतियां थीं, उसने पिछले 79 वर्षों में दुनिया को चौंका दिया है।

आर्थिक और तकनीकी महाशक्ति: आज भारत दुनिया की प्रमुख आर्थिक ताकतों में शुमार है। अंतरिक्ष विज्ञान से लेकर डिजिटल क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, हमारे वैज्ञानिकों और युवाओं ने हर पटल पर लोहा मनवाया है।

मजबूत लोकतंत्र: अनेक भाषाओं, संस्कृतियों, धर्मों और असीम विविधताओं के बावजूद हमारा लोकतांत्रिक ढांचा दुनिया के लिए एक मिसाल बना हुआ है।

जन-कल्याण का विस्तार: सड़क, रेल, बिजली, और बैंकिंग जैसी बुनियादी सुविधाएं देश के अंतिम छोर तक पहुंच चुकी हैं।

अभी मंजिल दूर है: अनसुने सवाल और कसकती सच्चाइयां

विकास के इस विराट प्रकाश के बीच हमें उन सच्चाइयों से आंखें नहीं चुरानी चाहिए, जो आज भी किसी चुभन की तरह मौजूद हैं:

- क्या देश का हर नागरिक स्वतंत्रता का वास्तविक आनंद ले रहा है?
- क्या आज भी हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और हर युवा को उसकी योग्यता का रोजगार मिल रहा है?
- क्या समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक न्याय और स्वास्थ्य सेवाएं सहजता से पहुंच रही हैं?
- गरीबी, कुपोषण और असमानता जैसी विसंगतियां आज भी हमारे विकास पथ पर सवालिया निशान लगाती हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं

एक संदेश देश के नाम

गोपाल कृष्ण व्यास
पूर्व अध्यक्ष, राज्य मानवाधिकार आयोग

*आज देश की माटी करती
जन-जन को आह्वान।
भगत सिंह, आजाद,
बोस का
यह है हिंदुस्तान।
आज देश की माटी करती
जन-जन को आह्वान॥*

*कोई रहे न भूखा-प्यासा,
भारत मां का कहना है।
बिजली, खेती, सड़कें, शिक्षा
गांव-गांव पहुंचाना है।
आओ मिलकर काम करें,
देश अपना बने महान।
आज देश की माटी करती
जन-जन को आह्वान॥*

*गंगा, यमुना और कावेरी
फसलों को महकाती हैं।
उनके निर्मल जल की धाराएं
खेतों को सिंचित करती हैं।
आओ मिलकर हम काम
करें,
लहराएं खेत-खलिहान।
आज देश की माटी करती
जन-जन को आह्वान॥*

*आज तिरंगा हाथ में लेकर
हम आगे बढ़ते जाएंगे।
श्रम, सेवा, प्रेम के बल पर
धरती को खूब सजाएंगे।
आओ अपना कर्तव्य निभाएं,
भारत बन जाए महान।
आज देश की माटी करती
जन-जन को आह्वान॥*

*आज तिरंगा हाथ में लेकर
हम आगे बढ़ते जाएंगे।
रक्षा करने भारतवर्ष की
अपना लहू बहाएंगे।
आओ हम मिलकर बोलें-
भारत देश बने महान।
आज देश की माटी करती
जन-जन को आह्वान॥*

*रोजगार जन-जन को मिले,
हर एक युवा का नारा है।
संघर्ष, मेहनत खूब करेंगे,
हर समाज का कहना है।
दुनिया के सब देशों के
सामने
चमके हमारा हिंदुस्तान।
आज देश की माटी करती
जन-जन को आह्वान॥*

*फहराकर हम आज तिरंगा,
राष्ट्रगान ही दोहराएं।
इस माटी से तिलक
लगाकर,
वंदे मातरम् गीत गाएं।
आओ हम सब प्रेम से
बोलें-
प्यारा रहे हिंदुस्तान।
आज देश की माटी करती
जन-जन को आह्वान॥*

स्वतंत्रता संग्राम के वीर: त्याग, संघर्ष और देशभक्ति की अमर गाथा

जिनके बलिदान से मिली आजादी, उनके आदर्श आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा

भारत की स्वतंत्रता का इतिहास वीरता, त्याग, संघर्ष और देशभक्ति की गौरवशाली गाथा है। अंग्रेजी शासन से देश को आजाद कराने के लिए अनेक वीरों ने अपना जीवन न्योछावर किया। उन्होंने साहस और संघर्ष से भारतीयों में स्वतंत्रता की भावना जगाई। स्वतंत्रता आंदोलन के इन महानायकों का जीवन आज भी युवाओं को राष्ट्रप्रेम, साहस और कर्तव्य की प्रेरणा देता है।

महात्मा गांधी: सत्य और अहिंसा के मार्गदर्शक

महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन के जरिए स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उनका जीवन सत्य, अहिंसा, आत्मनिर्भरता और अनुशासन का संदेश देता है।

भगत सिंह: युवाओं की प्रेरणा

भगत सिंह ने कम उम्र में देश की स्वतंत्रता के लिए जीवन समर्पित कर दिया। वे साहसी क्रांतिकारी होने के साथ गंभीर विचारक और लेखक भी थे। 23 मार्च 1931 को राजगुरु और सुखदेव के साथ वे शहीद हुए।

चंद्रशेखर आजाद: अदम्य साहस के प्रतीक

चंद्रशेखर आजाद क्रांतिकारी आंदोलन के प्रमुख योद्धाओं में रहे। उनका साहस, आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय आज भी युवाओं के लिए आदर्श है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस: संघर्ष और नेतृत्व की मिसाल

सुभाष चंद्र बोस ने सशस्त्र संघर्ष का मार्ग अपनाया और आजाद हिंद फौज का नेतृत्व किया। उनका त्याग और नेतृत्व देशभक्ति की प्रेरणा देता है।

सरदार वल्लभभाई पटेल: लौह पुरुष

सरदार पटेल ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्रता के बाद रियासतों के एकीकरण में उनके योगदान ने उन्हें लौह पुरुष की पहचान दिलाई।

रानी लक्ष्मीबाई: वीरता की पहचान

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के विरुद्ध वीरतापूर्वक युद्ध किया। उनका जीवन साहस, आत्मसम्मान और नारी शक्ति का प्रतीक है।

लोकमान्य तिलक: स्वराज्य के उद्घोषक

बाल गंगाधर तिलक ने शिक्षा, पत्रकारिता और जनजागरण के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत किया। उनका स्वराज का संदेश देशवासियों के लिए प्रेरणा बना।

स्वतंत्रता आंदोलन के अन्य अमर सेनानी

- **मंगल पांडे:** 1857 के विद्रोह के शुरुआती प्रमुख वीरों में से एक।
- **राम प्रसाद बिस्मिल:** काकोरी कांड के प्रमुख क्रांतिकारी और देशभक्ति के कवि।
- **अशफाक उल्ला खां:** काकोरी कांड के साहसी क्रांतिकारी और हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक।
- **राजगुरु:** भगत सिंह और सुखदेव के साथी और अमर शहीद।
- **सुखदेव:** भगत सिंह के निकट सहयोगी और क्रांतिकारी आंदोलन के प्रमुख कार्यकर्ता।
- **बटुकेश्वर दत्त:** भगत सिंह के साथ केंद्रीय विधानसभा की कार्रवाई में शामिल क्रांतिकारी।
- **उधम सिंह:** जलियांवाला बाग हत्याकांड का बदला लेने के लिए प्रसिद्ध।
- **वीर सावरकर:** क्रांतिकारी और राष्ट्रवादी विचारक।
- **सरोजिनी नायडू:** स्वतंत्रता आंदोलन की प्रमुख महिला नेत्री और कवयित्री।
- **एनी बेसेंट:** होमरूल आंदोलन के जरिए स्वशासन की मांग को मजबूत किया।
- **अरुणा आसफ अली:** भारत छोड़ो आंदोलन की प्रमुख महिला नेताओं में शामिल।
- **बेगम हजरत महल:** 1857 के विद्रोह में अवध में अंग्रेजों के खिलाफ नेतृत्व किया।
- **तात्या टोपे:** 1857 के संग्राम के प्रमुख सैन्य नेताओं में से एक।
- **कुंवर सिंह:** 1857 के विद्रोह के साहसी योद्धा।
- **लाला लाजपत राय:** 'लाल-बाल-पाल' त्रिमूर्ति के प्रमुख नेता।
- **बिपिन चंद्र पाल:** स्वदेशी आंदोलन और राष्ट्रीय जागरण के प्रमुख नेता।

परिकल्पना: रघुवीर जांगिड़ डिजाइन: इन्द्राज सिंह तंवर

https://www.instagram.com/sachbedhadakd https://www.youtube.com/@SachBedhadakD https://x.com/SachBedhadakD https://www.facebook.com/SachBedhadakD

80वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

FIRST INDIA

दैनिक हिंदी अखबार

सच बेधड़क

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित

हरियाली तीज आज

वर्ष: 5 I अंक: 246 जयपुर, शनिवार, 15 अगस्त, 2026 I श्रावण मास, शुक्ल पक्ष-तृतीया, विसं 2083 पृष्ठ: 16 I मूल्य: 3.00

पहली बार लाल किले की प्राचीर से गूंजेगा 'वंदे मातरम्'

80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस बार लाल किले की प्राचीर से 'वंदे मातरम्' का विशेष गायन होगा। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में इसकी प्रस्तुति समारोह का प्रमुख आकर्षण रहेगी। 'वंदे मातरम्' के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय हैं। यह गीत उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'आनंदमठ' में शामिल था और पहली बार 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में गाया गया था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 'वंदे मातरम्' देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना का सशक्त स्वर बन गया। स्वतंत्रता सेनानियों ने इसे अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष में प्रेरणा के रूप में अपनाया। 'वंदे मातरम्' का अर्थ 'हे मातृभूमि, मैं तुम्हें नमन करता हूं' है। गीत में भारतभूमि को मां के रूप में संबोधित करते हुए उसकी प्राकृतिक सुंदरता, शक्ति और समृद्धि का वर्णन किया गया है। आजादी के बाद 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया, जबकि 'जन गण मन' को राष्ट्रगान स्वीकार किया गया। लाल किले से इसका विशेष गायन राष्ट्रीय भावना और स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

शहीदों को नमन के साथ आज मनेगा 80वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न

तिरंगे की शान... हर संस्थान में होगा देश भक्ति का रंग

बेधड़क | जयपुर

80वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर जयपुर पूरी तरह तैयार है। 15 अगस्त को शहर में सुबह से ही सरकारी कार्यालयों, राजनीतिक दलों, न्यायालय, पुलिस, चिकित्सा और ऊर्जा संस्थानों में तिरंगा फहराया जाएगा। मुख्य जिला स्तरीय समारोह चौगान स्टेडियम में होगा, जहां उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। इससे पहले अमर जवान ज्योति पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया जाएगा। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 37 लोगों को सम्मानित किया जाएगा।

राजस्थान हाई कोर्ट, जयपुर पीठः सत्यमेव जयते भवन में सुबह 9 बजे कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ध्वजारोहण करेंगे। न्यायाधीशों, रजिस्ट्री अधिकारियों, महाधिवक्ता, अतिरिक्त महाधिवक्ताओं और बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों की मौजूदगी रहेगी।

जयपुर जिला स्तरीय मुख्य समारोह चौगान स्टेडियम में

- **चौगान स्टेडियम:** सुबह 9.30 बजे कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ध्वजारोहण करेंगे। परेड, राज्यपाल का संदेश, विद्यार्थियों की प्रस्तुतियां, बैंड वादन और पुरस्कार वितरण होगा।
- **अमर जवान ज्योति:** कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सुबह शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित करेंगे।
- **जिला कलेक्ट्रेट:** सुबह 7.35 बजे जिला कलेक्टर संदेश नायक ध्वजारोहण करेंगे। 54 अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित होंगे।
- **संभागीय आयुक्त कार्यालय:** सुबह 8 बजे संभागीय आयुक्त सरवन कुमार ध्वजारोहण करेंगे।

लोक भवन और विधानसभा

- **लोकभवन:** सुबह 9.05 बजे राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ध्वजारोहण करेंगे। मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, पुस्तकों व मिठाई का वितरण और पौधारोपण होगा।
- **राजस्थान विधानसभा:** सुबह 8.15 बजे वासुदेव देवनानी ध्वजारोहण करेंगे।
- **देवनानी का राजकीय आवास:** सुबह 7.30 बजे ध्वजारोहण।
- **कॉन्स्टिट्यूशन क्लब:** सुबह 9 बजे देवनानी ध्वजारोहण करेंगे।

पुलिस और एसीबी में विशेष आयोजन

पुलिस मुख्यालय: सुबह 8.30 बजे डीजी लॉ एंड ऑर्डर संजय अग्रवाल ध्वजारोहण करेंगे। उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मी सम्मानित होंगे।

एसीबी मुख्यालय: सुबह 8.30 बजे राष्ट्रगीत, ध्वजारोहण और राष्ट्रगान होगा। इसके बाद सलामी गारद का निरीक्षण, महानिदेशक का संदेश और डीजीपी डिस्क/पदक वितरण होगा।

चिकित्सा संस्थानों में भी लहराएगा तिरंगा

स्वास्थ्य भवन: सुबह 9 बजे निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ध्वजारोहण करेंगे। 65 से अधिक चिकित्सा कार्मिक सम्मानित होंगे।

SMS अस्पताल: सुबह 9 बजे अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ध्वजारोहण करेंगे। उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सा कार्मिकों का सम्मान होगा।

ऊर्जा और प्रशासनिक संस्थानों में आयोजन

■ **विद्युत भवन:** सुबह 8 बजे ऊर्जा सचिव आरती डोगरा ध्वजारोहण करेंगी और उत्कृष्ट बिजली कार्मिक सम्मानित होंगे। ■ **पुराना पावर हाउस:** सुबह 9.30 बजे जयपुर डिस्कॉम की CMD आरती डोगरा तिरंगा फहराएंगी। 60 कार्मिक सम्मानित होंगे। ■ **सहकार भवन:** सुबह 8.15 बजे सचिव एवं रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ध्वजारोहण करेंगे। ■ **निर्माण भवन:** सुबह 8.15 बजे अतिरिक्त सचिव एवं सीई मुकेश भाटी ध्वजारोहण करेंगे। ■ **अरण्य भवन:** सुबह 8 बजे PCCF विकास शिखा मेहरा ध्वजारोहण करेंगी। उत्कृष्ट वन कर्मियों का सम्मान होगा।

कांग्रेस मुख्यालय में समारोह

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय: सुबह 7.30 बजे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ध्वजारोहण करेंगे। वहीं बड़ी चौपड़ पर भी ध्वजारोहण कार्यक्रम होगा।

मंत्रियों को जिम्मेदारी

राज्य स्तरीय समारोह बीकानेर के डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में होगा, जहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ध्वजारोहण करेंगे। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी अजमेर और डॉ. प्रेमचंद बैरवा भीलवाड़ा में तिरंगा फहराएंगे। वहीं डॉ. किरोड़ी लाल मीणा सवाई माधोपुर, गजेंद्र सिंह फलौदी, मदन दिलावर कोटा, कन्हैया लाल टोंक, जोगाराम पटेल जोधपुर, सुरेश सिंह रावत भरतपुर सहित अन्य मंत्री अलग-अलग जिला मुख्यालयों पर ध्वजारोहण करेंगे। शेष जिला मुख्यालयों पर जिला कलेक्टर तिरंगा फहराएंगे।

भाजपा का दो जगह कार्यक्रम

बड़ी चौपड़: भाजपा जयपुर शहर की ओर से सुबह 7.30 बजे ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रदेश कार्यालय: सुबह 8.30 बजे प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ध्वजारोहण करेंगे।

निकाय-पंचायती राज चुनाव की आरक्षण प्रक्रिया

जयपुर निगम के 150 वार्डों की 17 को निकलेगी लॉटरी

बेधड़क | जयपुर

नगरीय निकाय और पंचायती राज चुनाव-2026 को लेकर जयपुर जिले में चुनावी आरक्षण प्रक्रिया तय करने की दिशा में कदम आगे बढ़ाया गया है। नगरीय निकायों के वार्डों तथा पंचायती राज संस्थाओं के विभिन्न पदों के लिए आरक्षण निर्धारण और श्रेणीवार आवंटन की तारीखें तय कर दी गई हैं। इसके साथ ही लंबे समय से चुनाव की तैयारी में जुटे संभावित उम्मीदवारों की नजर अब आरक्षण लॉटरी पर टिक गई है। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के लिए जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों के वर्गवार और महिला आरक्षण की लॉटरी 17 अगस्त को सुबह 10 बजे जयपुर कलक्ट्रेट सभागार में होगी। यह प्रक्रिया राजस्थान नगर पालिका निर्वाचन अधिनियम, 2009 और नियम, 1994 के प्रावधानों के तहत की जाएगी। लॉटरी के दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और संबंधित जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। नगर निगम के बाद जयपुर जिले की नगर परिषदों और नगर पालिकाओं के वार्डों के आरक्षण की लॉटरी सुबह 11 बजे शुरू होगी। यानी 17 अगस्त का दिन जयपुर जिले की नगरीय राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। जयपुर सहित प्रदेशभर के जिलों में यहीं प्रक्रिया होगी।

जोबनेर से शुरू होगी आरक्षण की लॉटरी

नगर परिषद और नगर पालिकाओं की लॉटरी में सबसे पहले नगर पालिका जोबनेर के 20 वार्डों का आरक्षण तय किया जाएगा। इसके बाद क्रमशः बगरू के 35, वाटिका के 25, चाकसू के 35, नगर परिषद चौमूं के 45, कालाडेरा के 20, जमवारामगढ़ के 35, दूदू के 25, फागी के 20, फुलेरा के 25, सांभर के 25, किशनगढ़ रेनवाल के 35, नारायणा के 25, बस्सी के 35, कानोता के 20, नगर परिषद शाहपुरा के 55, मनोहरपुर के 35 और खेजरोली के 25 वार्डों की लॉटरी होगी। इन निकायों में शाहपुरा के 55 वार्ड सबसे अधिक हैं, जबकि जोबनेर, कालाडेरा, फागी और कानोता में 20-20 वार्ड हैं।

पंचायत का 18 को होगा आरक्षण निर्धारण

नगरीय निकायों के अगले ही दिन 18 अगस्त को पंचायती राज संस्थाओं के पदों के आरक्षण का निर्धारण किया जाएगा। जयपुर जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच और वार्ड पंच के पदों का आरक्षण संबंधित उपखंड अधिकारी मुख्यालय पर सुबह 9 बजे किया जाएगा। वहीं जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समितियों के प्रधान और पंचायत समिति सदस्यों के पदों के लिए आरक्षण निर्धारण एवं श्रेणीवार आवंटन 18 अगस्त को दोपहर 2 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय सभागार, जयपुर में होगा।

SC, ST, OBC व महिलाओं के लिए श्रेणीवार आवंटन

पंचायती राज अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के अनुसार पदों का आरक्षण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ महिलाओं के लिए किया जाएगा। ग्राम पंचायत से लेकर जिला परिषद तक आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव की तैयारी कर रहे दावेदारों की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

बदलेंगे समीकरण

लॉटरी के बाद कई वार्डों में संभावित उम्मीदवारों की दावेदारी खत्म हो सकती है, जबकि नए चेहरों को मौका मिल सकता है। खासकर महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित होने वाले वार्डों पर दावेदारों की खास नजर है। आरक्षण की तस्वीर साफ होने के बाद टिकट की दौड़ और तेज होने की संभावना है।

भाजपा ने नियुक्त किए प्रभारी और सह प्रभारी

बेधड़क | जयपुर

भाजपा ने राजस्थान में होने वाले आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राजस्थान के लिए चुनावी जिम्मेदारियां तय करते हुए एक प्रभारी और पांच सह प्रभारियों की नियुक्ति की है। जारी आदेश के अनुसार पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी को राजस्थान का प्रभारी बनाया गया है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले, सांसद गजेंद्र सिंह पटेल, सांसद संगीता यादव, रोहन गुप्ता और दिल्ली सरकार में मंत्री रविंद्र इन्द्राज सिंह को सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा ने इन नियुक्तियों के जरिए राजस्थान में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों को गति देने की दिशा में कदम बढ़ाया है। प्रभारी और सह प्रभारी प्रदेश संगठन के साथ समन्वय कर चुनावी रणनीति, संगठनात्मक गतिविधियों और स्थानीय स्तर पर पार्टी की तैयारियों को आगे बढ़ाएंगे। राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह की ओर से शुक्रवार को जारी आदेश में कहा गया है कि सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभावी होंगी।

fi बेधड़क TOON

-शेखर

104 जननी एम्बुलेंस में प्रसव किट अनिवार्य

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, मौसमी बीमारियों की रोकथाम और 104 जननी एम्बुलेंस सेवा की समीक्षा की। मातृ मृत्यु के मामलों की समीक्षा के दौरान कोटा में हुई एक मातृ मृत्यु की समुचित जांच नहीं होने पर संबंधित एएनएम को निलंबित करने के निर्देश दिए गए। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम ने प्रदेश की सभी 104 जननी एम्बुलेंस में प्रसव किट अनिवार्य रूप से उपलब्ध रखने के निर्देश दिए।

वीबी-जी रामजी योजना में श्रमिक नियोजन में राजस्थान देश में प्रथम

बेधड़क | जयपुर

विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी रामजी) योजना के तहत श्रमिक नियोजन में राजस्थान देशभर में प्रथम स्थान पर है। एक जुलाई, 2026 से शुरू हुई इस योजना के तहत 10 अगस्त तक 77 हजार 814 कार्यों पर 8.59 लाख श्रमिकों को रोजगार दिया गया। जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में महात्मा गांधी नरेगा के तहत 6.37 लाख श्रमिकों का नियोजन हुआ था। इस तरह श्रमिक नियोजन में 2.22 लाख की वृद्धि हुई है, जो करीब 34.85 प्रतिशत अधिक है। जुलाई से सितंबर 2026 के लिए श्रम मद में 2,105.89 करोड़, सामग्री मद में 1,403.93 करोड़ और प्रशासनिक मद में 280.78 करोड़ रुपए की अग्रिम राशि जारी की जा चुकी है। सामग्री मद में प्रत्येक ग्राम पंचायत को औसतन 12.4 लाख रुपए की अग्रिम राशि दी गई है। इससे विकास कार्यों के संचालन और समय पर भुगतान में मदद मिलेगी। प्रशासनिक व्यय की सीमा भी 6 से बढ़ाकर 9 प्रतिशत की गई है।

योजना के लिए 12,636 करोड़ का प्रावधान

योजना के लिए केंद्र सरकार ने 7,581.87 करोड़ रुपए और राज्य सरकार ने 5,054.57 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में कुल 12,636.44 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए गए हैं, जो अब तक का सर्वाधिक बजटीय प्रावधान है। योजना में चार श्रेणियों के 318 प्रकार के कार्य अनुमत हैं, जबकि नरेगा में 266 प्रकार के कार्य ही शामिल थे।

कांग्रेस का हल्ला बोल

विरोध मार्च निकाला... जताया आक्रोश

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान कांग्रेस ने शुक्रवार को राज्य सरकार और भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोला। एक ओर प्रदेश महिला कांग्रेस ने बिगड़ती स्वास्थ्य व्यवस्था के विरोध में पुतले की शव यात्रा निकालकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कथित अपमान के विरोध में विरोध मार्च और सत्याग्रह कर अपना आक्रोश जताया। दोनों प्रदर्शनों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदेश में बिगड़ती स्वास्थ्य व्यवस्था के विरोध में प्रदेश महिला कांग्रेस ने जयपुर में प्रदर्शन किया। महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय से शहीद स्मारक तक सरकार के खिलाफ शव यात्रा निकाली। शहीद स्मारक पर पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया, जिसके बाद महिला कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और बहस हो गई। इस दौरान प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव शमा शेख धक्के से जमीन पर गिर गईं, जबकि एक अन्य महिला कार्यकर्ता की साड़ी फट गई। जयपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से मार्च निकाला और नारेबाजी करते हुए महात्मा गांधी की प्रतिमा तक पहुंचे, जहां सत्याग्रह किया गया। जयपुर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा समेत कई बड़े नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

खरगे के अपमान मामले को लेकर कांग्रेस का विरोध मार्च और सत्याग्रह।

https://www.instagram.com/sachbedhadakd https://www.youtube.com/@SachBedhadakD https://x.com/SachBedhadakD https://www.facebook.com/SachBedhadakD

80वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

FIRST INDIA

दैनिक हिंदी अखबार

सच बेधड़क

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित

हरियाली तीज आज

वर्ष: 5 । अंक: 246 जयपुर, शनिवार, 15 अगस्त, 2026 । श्रावण मास, शुक्ल पक्ष-तृतीया, विसं 2083 पृष्ठ: 16 । मूल्य: 3.00

जरूरी खबर

जयपुर में आज निकलेगी तीज की सवारी

बेधड़क, जयपुर। जयपुर की ऐतिहासिक तीज सवारी 15 अगस्त को सिटी पैलेस से शाही लवाजमे के साथ निकलेगी। त्रिपोलिया गेट पर सवाई पद्मनाभ सिंह पहली आरती उतारेंगे। इसके बाद सवारी छोटी चौपड़ और गणगौरी बाजार होते हुए तालकटोरा पहुंचेगी, जहां पूजा-अर्चना और प्रसाद वितरण होगा। वहीं, 16 अगस्त को बूढ़ी तीज की सवारी भी शहर में आकर्षण का केंद्र रहेगी।

जयपुर-बीकानेर से पांच रेल अधिकारी हुए गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने रिश्वतखोरी के अलग-अलग मामलों में उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर और बीकानेर से पांच अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। जयपुर मामले में कार्यालय अधीक्षक, सहायक वित्तीय सलाहकार और वरिष्ठ सेक्शन अधिकारी सहित एक निजी कंपनी के कर्मचारी को पकड़ा गया तथा 1.46 लाख रुपए बरामद किए गए। तलाशी में नौ लाख रुपए भी जब्त हुए। बीकानेर मामले में वरिष्ठ सेक्शन अधिकारी और लेखा सहायक समेत एक कंपनी कर्मचारी गिरफ्तार हुआ। इस मामले में 1.20 लाख रुपए बरामद किए गए।

तीन अफसरों को राष्ट्रपति पुलिस पदक

बेधड़क, जयपुर। स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर राजस्थान के तीन पुलिस अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक प्रदान किया जाएगा। सम्मान पाने वालों में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी और विशेष सुरक्षा दल (SPG) के पुलिस महानिरीक्षक उमेश चंद्र दत्ता, राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी सुरेंद्र राणावत और महेंद्र भगत शामिल हैं। उमेश चंद्र दत्ता को इससे पहले गणतंत्र दिवस 2016 के अवसर पर सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल (BSF) में भी सेवाएं दी हैं, जहां उन्हें पांच बार महानिदेशक का प्रशंसा चिह्न मिल चुका है। यह सम्मान उनके उत्कृष्ट सेवाकाल और जिम्मेदारियों के प्रति समर्पण को देखते हुए प्रदान किया गया है।

अवकाश की सूचना

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15 अगस्त को 'सच बेधड़क' कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 17 अगस्त 2026 को प्रकाशित किया जाएगा।
-संपादक

देश आज मनाएगा 80वां स्वतंत्रता दिवस, दिखेगा 'विकसित भारत' का संकल्प

लाल किले पर गूंजेगा 'वंदे मातरम्', प्रधानमंत्री करेंगे ध्वजारोहण

बेधड़क | नई दिल्ली

भारत शनिवार को अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। मुख्य समारोह दिल्ली के लाल किले पर होगा, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ध्वजारोहण कर देश को संबोधित करेंगे। इस बार समारोह 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को समर्पित रहेगा। खास बात यह है कि लाल किले पर पहली बार 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन होगा। ध्वजारोहण के साथ स्वदेशी 105 मिमी लाइट फील्ड गन से 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। वहीं, भारतीय वायुसेना के दो एमआई-17 हेलीकॉप्टर पुष्पवर्षा करेंगे। इनमें एक राष्ट्रीय ध्वज और दूसरा 'वंदे मातरम्' अंकित ध्वज लेकर उड़ान भरेगा। ध्वजारोहण के बाद सेना का बैंड 'वंदे मातरम्' की धुन बजाएगा और उपस्थित लोग सामूहिक गायन करेंगे। समारोह में देशभर से करीब 5,000 विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। राज्यों और शहरों में भी ध्वजारोहण व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह

मुख्यमंत्री भजनलाल बीकानेर में करेंगे ध्वजारोहण

बेधड़क | बीकानेर/जयपुर

राजस्थान का राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त को बीकानेर के डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सुबह 9.10 बजे ध्वजारोहण कर प्रदेशवासियों को संबोधित करेंगे। इससे पहले वे सुबह 8.30 बजे स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में ध्वजारोहण और 8.55 बजे पब्लिक पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित करेंगे। समारोह के बाद मुख्यमंत्री 11.30 बजे से 12.30 बजे तक जल विज्ञान एवं जल प्रबंधन संस्थान, आईजीएनपी में 'युवा संवाद: विकसित राजस्थान 2047' कार्यक्रम में युवाओं से संवाद करेंगे। स्वतंत्रता दिवस पर राजस्थान पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को विभिन्न पदकों से सम्मानित किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं।

सीमा प्रहरियों से मुख्यमंत्री का संवाद

अनूपगढ़। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को अनूपगढ़ स्थित BSF की बॉर्डर आउटपोस्ट और सैन्य हथियारों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने जवानों से संवाद कर सीमा सुरक्षा में उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि BSF जवान राष्ट्र की सुरक्षा के सजग प्रहरी हैं। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में BSF की अहम भूमिका है। मौके पर DGP राजीव कुमार शर्मा, BSF IG डॉ. विकास पाठक समेत अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 के लिए जारी किए 40 सवाल

आजादी के बाद पहली बार पूछी जाएगी जाति

■ पूरी तरह से डिजिटल होगी दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने जनगणना-2027 के लिए 40 सवालों की सूची जारी कर दी है। इस बार जनगणना कई मायनों में ऐतिहासिक होगी। आजादी के बाद पहली बार सभी समुदायों की जातिगत जानकारी दर्ज की जाएगी। इससे पहले 2011 की जनगणना में जाति से जुड़े सवाल में केवल अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) का विकल्प था। नई सूची में जाति से जुड़ा सवाल 10वें नंबर पर है, जिसमें SC/ST के साथ 'जाति' का विकल्प भी शामिल किया गया है। जनगणना में लोगों से कोविड-19 टीकाकरण, मोबाइल नंबर, आधार, वोटर आईडी और बैंक खातों से संबंधित जानकारी भी मांगी जाएगी। यह 1931 के बाद पहली व्यापक जाति जनगणना होगी। खास बात यह है कि जनगणना-2027 भारत की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें मोबाइल के जरिए खुद जानकारी दर्ज करने की सुविधा दी जा रही है। जातिगत गणना का फैसला 30 अप्रैल 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल समिति ने लिया था। हर दस साल में होने वाली जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।

कब और कहां से होगी शुरुआत?

आदेश के मुताबिक बर्फीले क्षेत्रों लद्दाख, और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड के बर्फ से ढके इलाकों में जनसंख्या गणना 1 सितंबर से 30 सितंबर के बीच होगी। घर-घर जाकर होने वाली गिनती से ठीक पहले, लोगों के पास 17 अगस्त से 31 अगस्त तक खुद ऑनलाइन फॉर्म भरने का विकल्प भी रहेगा। बात अगर देश के बाकी हिस्सों की करें तो देश के बाकी हिस्सों में जनसंख्या गणना अगले साल से शुरू होगी।

11,718 करोड़ का बजट मंजूर

केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 के लिए 11,718.24 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी है। जनगणना पूरे देश में केंद्र के समन्वय से होगी। राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारें इसके क्रियान्वयन में मदद करेंगी।

जनगणना में पूछे जाने वाले मुख्य सवाल

- व्यक्ति का नाम और परिवार के मुखिया से संबंध
- लिंग, जन्म तिथि, उम्र और वैवाहिक स्थिति
- पति/पत्नी, पिता और माता का विवरण
- राष्ट्रीयता, धर्म और जाति (SC/ST सहित)
- दिव्यांगता, मातृभाषा और अन्य ज्ञात भाषाएं
- साक्षरता, डिजिटल साक्षरता और शैक्षणिक योग्यता
- पेशा, रोजगार और आर्थिक गतिविधि
- जन्मस्थान, पिछला निवास और पलायन का कारण

ऑपरेशन सिंदूर के बाद NSA का दुनिया को कड़ा संदेश

भारत जोखिम उठा सकता है और कड़ा प्रहार कर सकता है: डोभाल

बेधड़क | नई दिल्ली।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की सुरक्षा नीति को लेकर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है। एक डॉक्यूमेंट्री में डोभाल ने कहा कि भारत की उदारता और सहनशीलता को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। भारत जरूरत पड़ने पर जोखिम उठाकर कड़ा प्रहार करने की क्षमता रखता है, भले ही उसके परिणाम कुछ भी हों। डोभाल ने बताया कि 88 घंटे चले ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार आतंकी ठिकानों को नष्ट करना था। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के दौरान भारत ने पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों और नागरिकों को निशाना बनाने से परहेज किया। पाकिस्तान की ओर से सैन्य जवाबी कार्रवाई के बाद भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम और रडार साइट्स को निशाना बनाया। इसके बाद पाकिस्तानी एयरबेस पर भी कार्रवाई की गई। 88 घंटे बाद संघर्ष विराम हुआ।

दिव्यांगों पर टिप्पणी: समय रैना पर दर्ज FIR रद्द

नई दिल्ली। कॉमेडियन समय रैना को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में दिव्यांगों पर विवादास्पद टिप्पणियों को लेकर रैना और चार अन्य के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर रद्द कर दीं। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों ने दिव्यांगों के लिए जागरूकता कार्यक्रम और फंड जुटाने की कोशिश की है। हालांकि, दिव्यांगों से जुड़े व्यापक मुद्दे पर सुनवाई जारी रहेगी और बेहतर कंटेंट निगरानी के लिए सुझाव लिए जाएंगे।

शाह कल अलवर में देंगे 6279 करोड़ की सौगात

बेधड़क | जयपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 16 अगस्त को अलवर के विजय नगर मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहेंगे। शाह प्रदेश को 6279 करोड़ रुपए की लागत वाले 933 विकास कार्यों की सौगात देंगे। अलवर जिले में 783 करोड़ रुपए के 151 विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण होगा। इनमें सरस डेयरी के 200 करोड़ रुपए की लागत वाले नए प्लांट का शिलान्यास प्रमुख है। कार्यक्रम में 10,548 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति-पत्र दिए जाएंगे। वहीं, 1.47 लाख किसानों को 14.72 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता का लाभ मिलेगा।

'The JC Show' में दिखेगा 'संकल्प से सिद्धि' का सफर

भारत24 ने विश्वसनीय पत्रकारिता के चार साल किए पूरे

नोएडा स्थित भारत24 कार्यालय से शुक्रवार को भारत24 के सीईओ एवं एडिटर-इन-चीफ डॉ. जगदीश चंद्र ने जयपुर स्थित फर्स्ट इंडिया मीडिया ग्रुप के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा और उनकी टीम का वर्चुअल माध्यम से अभिवादन किया। इस दौरान भारत24 की ओर से मनोज जग्यासी, अमित ओझा, संदीप मिश्रा, देवेंद्र पाठक, भीम शंकर नेगी, पूर्णिमा मिश्रा, अनु श्रीधर, आकांक्षा तोमर, पूजा यादव सहित अन्य टीम सदस्य वर्चुअली जुड़े। वहीं, फर्स्ट इंडिया न्यूज की ओर से जिनेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र छाबड़ा, मनोज माथुर, श्वेता मिश्रा अवस्थी, ललित गंगवानी, मोनी शर्मा, पूनम शर्मा सोलंकी, विजेंद्र सोलंकी, आशीष अमन, निर्मल तिवारी, विमल कोठारी, सत्यनारायण शर्मा, विकास शर्मा, इंदु राठौड़, डॉ. जयति मिश्रा सहित अन्य टीम सदस्य मौजूद रहे। **फोटो : सुनील शर्मा**

बेधड़क | जयपुर

भारत24-विजन ऑफ न्यू इंडिया ने शुक्रवार को अपनी स्थापना के चार वर्ष पूरे कर लिए। 'खबर ही जीवन है' के ध्येय वाक्य के साथ शुरू हुआ यह सफर आज एक राष्ट्रीय न्यूज प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। चार वर्ष पूरे होने पर नोएडा स्थित भारत24 कार्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व सीईओ एवं एडिटर-इन-चीफ डॉ. जगदीश चंद्र ने किया। वहीं, फर्स्ट इंडिया न्यूज के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा जयपुर कार्यालय से अपनी टीम के साथ वर्चुअली समारोह में शामिल हुए। इस दौरान दोनों संस्थानों की टीमों ने एक-दूसरे को बधाई दी और इस उपलब्धि का जश्न मनाया। इस अवसर पर डॉ. जगदीश चंद्र के चर्चित शो 'The JC Show' का विशेष एपिसोड प्रसारित हुआ। इसकी थीम 'संकल्प से सिद्धि' रही, जिसमें भारत24 के श्रीनगर में आए विचार से राष्ट्रीय न्यूज नेटवर्क बनने तक के सफर को दिखाया गया। पवन अरोड़ा ने डॉ. चंद्र और पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि भारत24 की चार साल की यात्रा दृढ़ विश्वास, स्पष्ट उद्देश्य और सामूहिक प्रयास की मिसाल है।

भारत 24
Vision of New India

> भारत24 सिर्फ एक न्यूज चैनल नहीं, बल्कि बदलते भारत की आकांक्षाओं को मंच देने का संकल्प है। श्रीनगर से शुरू हुआ यह विचार आज राष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है।
>
> -डॉ. जगदीश चंद्र

79 साल बाद कितना बदला भारत?

आजादी के समय भारत के सामने गरीबी, अशिक्षा, खाद्यान्न संकट और कमजोर बुनियादी ढांचे जैसी बड़ी चुनौतियां थीं।

- आज भारत कृषि, उद्योग, विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष, डिजिटल सेवाओं और बुनियादी ढांचे सहित कई क्षेत्रों में अपनी पहचान बना चुका है। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों से लेकर डिजिटल तकनीक के विस्तार तक, देश की तस्वीर तेजी से बदली है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी है।

- क्या विकास का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचा है? क्या हर युवा को अवसर मिला है? क्या हर गांव और हर परिवार तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य पहुंच पाया है?
- यही वे सवाल हैं, जो आजादी के अगले पड़ाव पर भारत से जवाब मांगते हैं।

अगस्त 2026 से शुरू हुए भर्ती चक्र में परीक्षाओं का मेगा शेड्यूल तैयार

RPSC का इम्तिहान: RAS-SI भर्ती में 8 लाख देंगे परीक्षा

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए अगस्त 2026 से शुरू होने वाला भर्ती चक्र बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है। राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) के सामने भी यह अब तक की बड़ी परीक्षा चुनौतियों में से एक है। आगामी भर्ती कार्यक्रम में 8.11 लाख से अधिक अभ्यर्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होंगे। इनमें अकेले RAS प्रारंभिक परीक्षा और SI पुनः परीक्षा के लिए 7.27 लाख से अधिक अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। इतने बड़े स्तर पर परीक्षाओं के आयोजन को लेकर आयोग ने परीक्षा केंद्रों, सुरक्षा, पर्यवेक्षण और तकनीकी व्यवस्थाओं को मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। आगामी भर्ती कार्यक्रम में सबसे बड़ी चुनौती RAS प्रारंभिक परीक्षा-2026 और उप निरीक्षक भर्ती-2021 की पुनः परीक्षा होगी। RAS प्रारंभिक परीक्षा में 5,08,885 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।

इसकी परीक्षा 6 दिसंबर को होगी। वहीं SI भर्ती-2021 के 859 पदों के लिए 2,18,131 अभ्यर्थी 20 सितंबर को पुनः परीक्षा देंगे। दोनों परीक्षाओं में कुल 7.27 लाख से अधिक अभ्यर्थियों की भागीदारी होगी। इसके अलावा सांख्यिकी अधिकारी भर्ती-2025 की परीक्षा 30 अगस्त को होगी। इसमें 10,021 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सहायक अभियोजन अधिकारी प्रारंभिक परीक्षा-2026 में 52,767 और प्राध्यापक विशेष शिक्षा भर्ती-2026 में 13,271 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। यानी आने वाले महीनों में बड़ी संख्या में युवाओं के लिए सरकारी नौकरी की परीक्षा का मौका होगा।

परीक्षाओं के साथ ही साक्षात्कार प्रक्रिया को भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मई में 1,201, जून में 1,207 और जुलाई में रिकॉर्ड 1,864 अभ्यर्थियों के साक्षात्कार पूरे किए गए। अगस्त में महज 17 कार्य दिवसों के दौरान 18 प्रकार की भर्तियों के साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके लिए 1,210 अभ्यर्थियों का कार्यक्रम जारी किया जा चुका है।

पेपर लीक पर जीरो टॉलरेंस

भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पेपर लीक के खिलाफ एसआईटी का गठन किया गया है। अब तक 569 आरोपियों की गिरफ्तारी और 157 एफआईआर दर्ज की गई हैं। राज्य में 410 भर्ती परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी हैं।

1.78 लाख सरकारी पदों पर नियुक्तियों की राह

राज्य में सरकारी भर्तियों को गति देने के लिए बड़े स्तर पर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। अब तक 1 लाख 78 हजार सरकारी पदों पर नियुक्तियां की जा चुकी हैं। 51,427 अभ्यर्थियों की परीक्षा पूर्ण हो चुकी है और इन पदों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। वहीं 81,023 पदों पर परीक्षाएं आयोजित की जा चुकी हैं तथा 70,031 पदों पर भर्ती की तैयारी चल रही है।

600 चिकित्सा अधिकारियों की सीधी भर्ती

राज्य की चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने के लिए 600 चिकित्सा अधिकारियों की सीधी भर्ती का निर्णय लिया गया है। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (RUHS) ने भर्ती अधिसूचना जारी कर दी है। ऑनलाइन आवेदन 14 सितंबर से 13 अक्टूबर 2026 तक किए जा सकेंगे। आवेदन के लिए अभ्यर्थी के पास एमबीबीएस डिग्री होना जरूरी है। साथ ही लिखित परीक्षा की तिथि तक राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण अनिवार्य होगा। RUHS पहले ही 1,699 चिकित्सकों की भर्ती कर नियुक्तियां दे चुका है।

> युवाओं के भविष्य से जुड़ी भर्ती प्रक्रिया में शुचिता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। आयोग ने परीक्षा और साक्षात्कार दोनों स्तरों पर अनुचित गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। बड़े स्तर की परीक्षाओं के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन के समन्वय से व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
>
> **-लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह,** कार्यवाहक अध्यक्ष, RPSC

जरूरी खबर

दूध सप्लाई वाला बना पेपर लीक गैंग का 'डीलर'

जयपुर। कनिष्ठ अभियंता संयुक्त भर्ती परीक्षा 2020 की पुनः परीक्षा के पेपर लीक मामले में एसओजी ने अभिषेक खंडेलवाल को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि अभिषेक की पेपर माफिया भीम सिंह यादव से पहचान कॉलोनियों में घर-घर दूध सप्लाई करने के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकी बढ़ी और अभिषेक ने अभ्यर्थियों की व्यवस्था कर परीक्षा से पहले लीक पेपर पढ़ाने का सौदा कराया। एसओजी के अनुसार अभिषेक खंडेलवाल ने प्रति अभ्यर्थी 14 लाख रुपए में परीक्षा पूर्व लीक पेपर पढ़ाने का सौदा भीम सिंह यादव से किया था। भीम सिंह ने मानसरोवर में कई अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले लीक पेपर पढ़ाया।

अतिक्रमण के आरोप में भंभौरी सरपंच निलंबित

जयपुर। झोटवाड़ा पंचायत समिति की भंभौरी ग्राम पंचायत की सरपंच सुनीता नायक को पंचायती राज विभाग ने निलंबित कर दिया है। सरपंच पर आबादी भूमि पर अतिक्रमण कराने, आबादी क्षेत्र से मिट्टी उठवाने और राजस्व को नुकसान पहुंचाने के गंभीर आरोप लगे थे। ग्रामीणों की शिकायतों के आधार पर विभाग ने मामले की जांच के बाद कार्रवाई की। अतिरिक्त आयुक्त त्रिलोकचंद मीणा ने सरपंच के निलंबन के आदेश जारी किए।

15 अगस्त को अलर्ट मोड पर जवान, चप्पे-चप्पे पर निगरानी

बाजारों से लेकर बॉर्डर तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

बेधड़क | जयपुर

प्रदेशभर में स्वतंत्रता दिवस का जश्न शनिवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। राजधानी जयपुर सहित पूरे प्रदेश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए थानों के पुलिसकर्मियों के साथ आरएसी के जवान भी तैनात किए गए हैं। प्रमुख बाजारों और संवेदनशील स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी के लिए सादा वर्दी में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। सरकारी इमारतों और बाजारों में लगे सीसीटीवी कैमरों के साथ अभय कमांड सेंटर से भी पुलिस हर गतिविधि पर नजर रख रही है। संदिग्ध और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की निगरानी के लिए होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशाला, सराय, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड सहित बाजारों में विशेष निगरानी की जा रही है। भारत-पाकिस्तान सीमा पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सीमा क्षेत्रों में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। होटलों, धर्मशालाओं और गेस्ट हाउस में जांच बढ़ा दी गई है। पुलिस टीमें ठहरने के स्थानों पर जांच कर आने-जाने वाले लोगों पर नजर रख रही हैं। होटल संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि बिना वैध पहचान पत्र किसी व्यक्ति को ठहरने की अनुमति नहीं दी जाए। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को जयपुर स्थित अल्बर्ट हॉल के सामने 13वीं ग्रेनेडियर गंगा जैसलमेर सिम्फनी आर्मी बैंड ने देशभक्ति से ओत-प्रोत धुनों की प्रस्तुति दी। इस दौरान बड़ी संख्या में आमजन ने कार्यक्रम का आनंद लिया और भारत माता की जय के नारे लगाए।

सरगासूली

तिरंगे की रोशनी में नहाया जयपुर, आजादी के जश्न में जगमगाईं प्रमुख इमारतें

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर शहर देशभक्ति के रंग में रोशन हो उठा है। शहर की प्रमुख ऐतिहासिक और सरकारी इमारतों को आकर्षक रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। राजस्थान विधानसभा, जेडीए, जवाहर कला केंद्र, जिला कलेक्ट्रेट, स्टेच्यू सर्किल और सरगासूली ईसरलाट पर विशेष लाइटिंग की गई है। इसके साथ ही आमेर किला, जगत शिरोमणि मंदिर और सरदार वल्लभ भाई पटेल सेतु भी रोशनी से जगमगा रहे हैं। शाम ढलते ही इन इमारतों की खूबसूरती देखते ही बन रही है। रंगीन रोशनी के बीच शहर का नजारा आकर्षक नजर आ रहा है और स्वतंत्रता दिवस का उत्सव खास बन गया है।

स्टेच्यू सर्किल

विद्युत भवन

बीसलपुर बांध का जलस्तर पहुंचा 313.98 RL मीटर

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में मानसून ने शुक्रवार को एक बार फिर रफ्तार पकड़ी। चित्तौड़गढ़, धौलपुर, उनियारा, तिजारा और माउंट आबू में तेज बारिश हुई, जबकि भीलवाड़ा, करौली, सिरोही, जयपुर के आसपास और बारां सहित कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। प्रदेश में सबसे अधिक 98 मिमी बारिश चित्तौड़गढ़ के निंबाहेड़ा में दर्ज की गई। इसके बाद माउंट आबू में 76.6, बनेड़ा में 50, बेगूं में 45 और मोहनगढ़ में 44 मिमी बारिश हुई। जयपुर की लाइफलाइन बीसलपुर बांध में बारिश के बाद पानी की आवक बनी हुई है। शुक्रवार रात 8 बजे बांध का जलस्तर 313.98 RL मीटर और भराव 28.150 टीएमसी पहुंच गया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग, वृत्त जैसलमेर

Phone No.: 02992-251803, E mail ID: sephedjsm@yahoo.com, secircle.jsl.phed@rajasthan.gov.in
क्रमांकः वृत्त/जैसलमेर/निविदा/2026-27/3630-3642 दिनांकः 7.8.2026

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 08/2026-27
NIB Code PHE2627A2056

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु दर संविदा के आधार पर राज्य सरकार के नियमों के अन्तर्गत पंजीकृत / अपंजीकृत एवं केन्द्र / राज्य सरकार के अधिकृत विभागों / संगठनों, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, रेल, डाक, दूरसंचार विभागों में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा प्रक्रिया द्वारा निम्न ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :

बिड संख्या	UBN NUMBER	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि (रू.) 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रूपये)	ई-प्रक्रिया शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
8(1)/2026-27	PHE2627 WSRC04075	120.00	240000.00	2500.00	2000.00	12 माह
8(2)/2026-27	PHE2627 WSRC04076	120.00	240000.00	2500.00	2000.00	12 माह
8(3)/2026-27	PHE2627 WSRC04077	140.00	280000.00	2500.00	2000.00	12 माह
8(4)/2026-27	PHE2627 WSRC04078	140.00	280000.00	2500.00	2000.00	12 माह

ऑन लाईन निविदा डाउनलोड/अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	18.08.2026 को 06:00 पी.एम. तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तिथि एवं समय	19.08.2026 को 02:00 पी.एम.

शर्ते : बिड से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट www.dipronline.org, sppp.raj.nic.in and eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग, वृत्त-जैसलमेर

DIPR/C/14569/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड प्रथम बीकानेर

क्रमांकः 929 दिनांक : 07.08.2026

Short Term Notice Inviting Bid:04/ 2026-27

Bid for the Construction of Various Non-patchable (Renewal) /Missing link roads of Sub Dn Bikaner, Khajuwala, Dantore & Pugal for the year 2026-27 are invited from interested bidders upto 14.08.2026 [09:30 AM] to 17.08.2026 [06:00 PM] & Open date 18.08.2026 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 1128.66 Lakh.

UBN No.
1. PWD2627WSOB09323
2. PWD2627WSOB09325
3. PWD2627WSOB09327
4. PWD2627WSOB09330
5. PWD2627WSOB09332

Executive Engineer,
PWD Distt. Dn-i, Bikaner

DIPR/C/14457/2026

राजस्थान सरकार
कार्यालय जिला कलेक्टर, डीडवाना-कुचामन

Email : account.dm.dk@rajasthan.gov.in | Telephone no. : 01580-222000 | Gmail : ao.dm.dk@gmail.com
क्रमांकः प.2(ई-निविदा)( )लेखा/आईटी उपकरण/2026-27/554 दिनांक : 07/08/2026

अल्पकालीन ई निविदा (दर संविदा)
Notice Inviting Bid 03/2026-27

Bid invited for Purchasing of IT Equipment COMPUTERS, PRINTERS AND UPS (estimated cost 50.00 lacs) for District collector Didwana Kuchaman office from interested bidders upto 10:00 A.M. dated 18.08.2026. Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://www.eproc.rajasthan.gov.in and https://sppp.rajasthan.gov.in, can be download and upload only https://www.eproc.rajasthan.gov.in
NIB Code No.: DEK2627A0006
UBN No.: DEK2627GLRC00006

अति. जिला कलेक्टर
कलेक्ट्रेट, डीडवाना-कुचामन

DIPR/C/14921/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड, जयपुर

क्रमांकः 664 दिनांकः 06/08/26

ई-निविदा सूचना संख्या 17 / 2026-27 प्रकाशन बाबत

Bids for Building Construction / Maintenance works are invited from interested bidders upto 20-08-2026 (06.00 PM) Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in

S.No.	UBN No.
1	PWD2627WSOB08984
2	PWD2627WSOB08985

मोना कुमारी गुप्ता
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. निर्माण खण्ड, जयपुर

DIPR/C/14298/2026

|| राजस्थान सरकार ||
कार्यालय अधीक्षक एवं पदेन सदस्य सचिव, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय, रनाटै मेडिकल कॉलेज, उदयपुर (राजस्थान)

कार्यालय का पता : कमरा न 132, प्रथम तल एस एस एच, रनाटै मेडिकल कॉलेज उदयपुर (राजस्थान) 313001
दूरभाष संख्या 0294-2528811 ext no 2461,2462 ई मेल superintendentsshudr@gmail.com
क्रमांकः मे.अ.-सु.अ./RMRS/फा. सामान्य/2026/ 309 दिनांक :7/8/2026

NOTICE INVITING BID NO. 59

Bids for Following list are invited from interested bidders. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in of the state.

S. No.	Name of Items	Estt. Total Cost	Bid submission end date & time:	UBN NO
1	Electrification work in sub store hall	5.80 lac	20.08.2026, 6.00 PM	MCU2627 GSOB0005
2	SITC of ESE type 03 lighting arrestors	11.50 lac	20.08.2026, 6.00 PM	MCU2627 GSOB00057
3	Pest control and rat control Work	15.00 lac	01.09.2026, 6.00 PM	MCU2627 SLRC00055

Member Secretary
Rajasthan Medicare Relief Society
SSH, Udaipur

DIPR/C/14410/2026

छात्र की मौत के मामले में संचालक-प्रिंसिपल से पूछताछ

कैंडल मार्च निकाल जताया विरोध

बेधड़क | जयपुर

झोटवाड़ा स्थित महाराणा प्रताप स्कूल में छात्र प्रिंस सोनी की मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर शुक्रवार शाम चांदोलिया गार्डन से स्कूल तक कैंडल मार्च निकाला गया। मार्च के दौरान

पुलिस अधिकारियों को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रिंस की मौत के मामले में पुलिस ने स्कूल संचालक और प्रिंसिपल को पूछताछ के लिए थाने बुलाया है। पुलिस दोनों से घटना से जुड़े तथ्यों और स्कूल प्रशासन की भूमिका को लेकर पूछताछ कर रही है।

दोस्तों को हत्या की सुपारी देकर भाग गया था नेपाल

कैदी हत्याकांड का मास्टरमाइंड आयुष अरेस्ट

बेधड़क | जयपुर

करणी विहार इलाके में दो दिन पहले गोली मारकर कैदी गंगासहाय की हत्या के मामले में पुलिस ने मास्टरमाइंड आयुष को गिरफ्तार कर लिया। वारदात से पहले आयुष दोस्तों को हत्या

की सुपारी देकर नेपाल भाग गया था। उसने पिछले 10-12 दिन से मोबाइल बंद कर रखा था। शुक्रवार को जयपुर पहुंचते ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, आयुष ने अपनी बुआ के बेटे और कोतवाली थाने के हिस्ट्रीशीटर कन्हैया लाल गुर्जर से तीन हथियार लिए थे।

हाई कोर्ट ने जवाब के लिए दिया समय

एकल पट्टा केस में ASG एसवी राजू की पैरवी पर विवाद

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाई कोर्ट में शुक्रवार को एकल पट्टा प्रकरण सहित कई महत्वपूर्ण मामलों में सुनवाई हुई। एकल पट्टा प्रकरण की सुनवाई अधूरी रहने के कारण अब मामले की अगली सुनवाई 2 सितंबर को दोपहर 2 बजे होगी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा की विशेष एकलपीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान पूर्व मंत्री शांति धारीवाल और अन्य की ओर से राज्य सरकार की पैरवी कर

रहे एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू की नियुक्ति और पैरवी के अधिकार पर आपत्ति जताई गई। पूर्व मंत्री शांति धारीवाल व पूर्व आईएएस जीएस संधू की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक राज सिंह बाजवा और अधिवक्ता एसएस होरा ने आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि केस विड्रॉल से जुड़े मामले में बीएनएसएस की धारा 18 के तहत सरकारी पक्ष की ओर से पैरवी के लिए पब्लिक प्रॉसिक्यूटर या स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर की नियुक्ति का नोटिफिकेशन जरूरी है। उनका कहना था कि एएसजी एसवी राजू की नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार की ओर से ऐसा कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है, उन्हें सरकार की ओर से पैरवी करने का अधिकार नहीं है।

डीजी जेल और पैरोल समिति के सदस्यों को किया तलब

एक अन्य मामले में राजस्थान हाई कोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद कैदी को स्थायी पैरोल का लाभ नहीं देने पर कड़ी नाराजगी जताई। जस्टिस महेंद्र गोयल और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने डीजी जेल और राज्य स्तरीय पैरोल सलाहकार समिति के सदस्यों को 18 अगस्त को अदालत में पेश होकर यह बताने को कहा है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। अदालत ने एसीएस गृह को भी तलब करते हुए राज्य सरकार के 1 मई 2024 के आदेश की वैधानिकता स्पष्ट करने को कहा है। कोर्ट ने पूछा कि याचिकाकर्ता को 22 जुलाई से 4 अगस्त तक स्थायी पैरोल पर रिहा क्यों नहीं किया गया। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि जिम्मेदार अधिकारियों पर हर्जाना लगाकर उसकी राशि याचिकाकर्ता को दिलाने पर भी विचार किया जा सकता है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता बीआर चौधरी ने बताया कि हाई कोर्ट ने 3 जुलाई को पैरोल सलाहकार समिति की कार्रवाई निरस्त कर जिला मजिस्ट्रेट को याचिकाकर्ता को स्थायी पैरोल पर रिहा करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद मामले को दोबारा प्रक्रिया में भेजा गया।

Happy Independence Day

SRN
INTERNATIONAL SCHOOL, JAIPUR

Cambridge Assessment International Education
Cambridge International School
AIM
BRITISH COUNCIL

CO-EDUCATIONAL ENGLISH MEDIUM SCHOOL
A WORLD CLASS FULLY AC DAY CUM RESIDENTIAL SCHOOL
PLAY GROUP TO XII (SCIENCE, COMMERCE & HUMANITIES)

Cambridge Early Years to VIII, IGCSE (IX & X), AS & A Level (XI & XII)

SRN Montessori (Early Years) to Grade XII (Science, Commerce & Humanities)

Specialized Activities:
Swimming, Shooting, Skating, Cricket, Volleyball, Green Gym, Basketball, Table Tennis, Judo Karate, Lawn Tennis, Jazz-drum, Dance, Rock-band, Yoga, Guitar, Synthesizer, Archery, Football, Hockey, Badminton, Vocal Music, Robotics & Many More...

A World Class Fully AC Day Cum Residential School
Experiential Learning Platforms
Strong Parent-School Connect
Foreign Exchange Opportunities
100% CBSE X & XII Result
Stellar Achievements in JEE, NEET, CLAT, CA, NDA, UPSC & CUET
Empowering Excellence, Inspiring Future

Raveisha Agarwal
TEDx Speaker
Transformative Speaking Coach
Director - Academics

Ravi Shankar - IFS (Retd.)
M.B.A., F.P.R. (Oxford U.K.), A.P.F. (Georgia U.S.A.)
Chairman

Usha Sharma
CBSE National Awardee, A.E.P. (Georgia U.S.A.)
Principal-Director

Pallavi Tandon
Dronacharya Awardee
Principal

Instagram Location Website
9413349218, 9413349214, 9413349241, 9413349228
E-mail: helpdesk@srninternational.com | Website : www.srninternational.org
SRN Marg, Ramnagaria (Jagatpura), Jaipur (Raj.) • Tele: 0141-2974492, 93, 96, 97

vedanta
transforming for good

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

देश की ज़मीन से, उम्मीदों के भविष्य तक
INDIA
विकसित भारत की ताकत

हिन्दुस्तान ज़िंक की ओर से
80 वें
स्वतंत्रता दिवस
की शुभकामनाएं

विश्व का सबसे बड़ा
जिंक उत्पादक

टॉप 10
चांदी उत्पादकों में शामिल

Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. www.hzlindia.com

https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/
https://www.facebook.com/HindustanZinc/
https://x.com/Hindustan_Zinc_
https://www.instagram.com/hindustan_zinc/

आधुनिक सुविधाओं से युक्त 200 बैडेड सुपर व मल्टीस्पेशियलिटी एवं कैंसर रोग को समर्पित अत्याधुनिक हॉस्पीटल

MRI
CT Scan
(24X7)
ICU, ICCU, NICU, PICU
सुविधा उपलब्ध

हृदय रोग	हड्डी रोग	गुर्दा एवं मूत्र रोग	मस्तिष्क रोग	कान नाक गला रोग
दन्त एवं नेत्र रोग	पेट व लिवर रोग	स्त्री व शिशु रोग	शल्य चिकित्सा	चर्म रोग

Sonography, Digital X-Ray, EEG, EMG, NCV, ECG, 2D ECHO, TMT, HOLTER

एक ही छत के नीचे कैंसर का सम्पूर्ण नि:शुल्क ईलाज
मरीज एवं परिजनों के लिए रहने की नि:शुल्क व्यवस्था

कैंसर PET CT SCAN प्रतिदिन उपलब्ध
कैंसर रेडियोथेरेपी (सिकाई) प्रतिदिन उपलब्ध
कैंसर सर्जरी एवं दूरबीन ऑपरेशन
कैंसर कीमोथेरेपी कैंसर इम्युनोथेरेपी
CT Guided Biopsy/ FNAC IHC Mammography

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना MAA-YOJANA
नि:शुल्क ईलाज एवं ऑपरेशन 24 घंटे 365 दिन
केन्द्र सरकार – राज्य सरकार की उपलब्ध स्कीम व सभी प्रमुख इन्श्योरेंस कम्पनीयों से अनुबन्धित
RGHS

प्लास्टिक, कॉस्मेटिक एवं रिकन्सट्रक्टीव माइक्रोसर्जरी विभाग

डॉ. नेमीचंद
M.S., M.Ch. (Plastic Surgery)
Consultant Plastic Surgeon
(Burn, Plastic Reconstructive Surgeon)
Former : Dr. VMMC &
Safdarganj Hospital, Delhi

कटे - फटे होंठ और तालु के नि:शुल्क ऑपरेशन उपलब्ध

SmileTrain
अंतर्राष्ट्रीय NGO स्माइल ट्रेन द्वारा समर्थित भारत भर में पूरी तरह से मुफ्त क्लेफ्ट उपचार उपलब्ध है।

MAA CGHS ESIC CAPF
15 August Independence Day

गोयल हॉस्पीटल
रेजीडेंसी रोड, जोधपुर (राज.)
www.goyalhospital.org

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें
8769707913
7412025320

एस के जी कैंसर हॉस्पीटल
झालामण्ड, जोधपुर (झालामण्ड चौराहे से सिर्फ 3 कि.मी. दूरी पर)

24/7 Emergency Services Trauma Centre MRI - CT Scan
First Hospital in Western Rajasthan with both NABH & NABL ACCREDITATION
www.goyalhospital.org

तिरंगा हमारी शान, देश की पहचान

तिरंगा भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है। यह केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता, एकता, अखंडता और गौरव की पहचान है। जब 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर पर तिरंगा शान से लहराता है, तो करोड़ों भारतीयों का सिर गर्व से ऊंचा हो जाता है। तिरंगे में केसरिया, सफेद और हरा रंग शामिल हैं। केसरिया साहस, त्याग और बलिदान का संदेश देता है, सफेद रंग सत्य, शांति और पवित्रता का प्रतीक है, जबकि हरा रंग समृद्धि, विकास और खुशहाली को दर्शाता है। बीच में बना अशोक चक्र निरंतर गति और प्रगति का संदेश देता है। यह ध्वज उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान की याद भी दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इसलिए तिरंगे का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। तिरंगा हमारी शान है, हमारी पहचान है और स्वतंत्र भारत के गौरव का प्रतीक है।

आश्रम में 10 साल की बच्ची से रेप

उदयपुर। शहर के एक आश्रम में 10 साल की बच्ची के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। आरोप है कि आश्रम संचालिका का भाई बच्ची के साथ अश्लील हरकतें और रेप करता था। बच्ची ने कई बार इसकी जानकारी संचालिका को दी, लेकिन कार्रवाई करने के बजाय उसे चुप रहने के लिए कहा गया। बच्ची की मां की कुछ साल पहले मौत हो चुकी है। पिता मजदूरी करता है और शराब का आदी बताया गया है। करीब छह महीने पहले पिता बच्ची को आश्रम में छोड़कर चला गया था। इसके बाद वह उससे मिलने नहीं आया। बच्ची को पहले पढ़ाने वाला एक शिक्षक कभी-कभी उससे मिलने आश्रम जाता था। 5 अगस्त को शिक्षक के पहुंचने पर बच्ची ने रोते हुए उसके साथ हो रहे शोषण की जानकारी दी। इसके बाद 13 अगस्त को मामला दर्ज करवाया गया।

बुजुर्ग की गला काटकर की हत्या

नागौर। सदर थाना क्षेत्र में बासनी सिगड़ रोड पर खेत में बने कमरे में 70 वर्षीय बुजुर्ग गुलाब सिंह की चाकू से गला काटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि हत्या के बाद बदमाशों ने शव के पास ही शराब पार्टी की और खाना खाया। वारदात के समय कमरे में मौजूद बड़ा दोहिता डरकर खेत में जाकर छिप गया। गुलाब सिंह (70) के दो बेटे और दो बेटियां हैं। दोनों बेटे बीकानेर के खाजूवाला में रहते हैं। एक बेटी की शादी घटनास्थल से कुछ दूरी पर ही हुई है। गुलाब सिंह खेत में बने एक कमरे को किराए पर लेकर यहां रह रहे थे। उनकी देखभाल के लिए दो दोहिते उनके पास ही रहते थे। 13 अगस्त की देर शाम चार युवक गुलाब सिंह के पास पहुंचे थे। इसी दौरान युवकों ने चाकू से उनका गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपियों ने कमरे में ही शराब पी।

स्वतंत्रता दिवस: बीकानेर में होगा राज्य स्तरीय मुख्य समारोह

2 को राष्ट्रपति, 16 को मिलेगा पुलिस पदक

बेधड़क | जयपुर

बीकानेर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 में राजस्थान के पुलिस एवं कारागार विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में होने वाले समारोह में तृतीय बटालियन आरएसी बीकानेर के कंपनी कमांडर भंवर सिंह व एजीटीएफ, सीआईडी (सीबी) के उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह को राष्ट्रपति पुलिस पदक प्रदान किया जाएगा।

पुलिस पदक के लिए 16 अधिकारियों एवं कर्मचारियों का चयन किया गया है। इनमें डीआईजी मनीष अग्रवाल, एएसपी अवनीश कुमार शर्मा, एएसपी धर्मेंद्र सिंह सागर, एएसपी चैन सिंह, सीओ कैलाश चंद खटीक, पुलिस निरीक्षक सवाई सिंह, प्लाटून कमांडर सहीराम, उप निरीक्षक जसवंत राम और देवी सिंह शामिल हैं। इसके अलावा एएसआई भोजराज सिंह, हेड कांस्टेबल कानाराम जाखड़, देवकरण और गिरधारी लाल, हेड कांस्टेबल तलसाराम तथा कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह और तेजा राम को भी पुलिस पदक से

भंवर सिंह और नरेंद्र सिंह।

सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति सुधारात्मक सेवा पदक के लिए महानिदेशालय कारागार राजस्थान के उपाधीक्षक रमाकांत शर्मा, जिला कारागृह हनुमानगढ़ के अधीक्षक ग्रेड-द्वितीय योगेश तेजी, जिला कारागृह चित्तौड़गढ़ के कारापाल लोकोज्ज्वल सिंह और जिला कारागृह चूरू के कारापाल सुगर सिंह गुर्जर को पदक दिया जाएगा।

पुलिस पदक भी होंगे प्रदान

सराहनीय सेवाओं के लिए राज्य के 14 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस पदक देने की घोषणा की गई है। इनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुमित गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीक्षा कामरा, पुलिस निरीक्षक सज्जन कंवर, उप निरीक्षक शेरू खान, सहायक उप निरीक्षक महेश चंद, एमआईयू सागवाड़ा के शिवराम और प्रशिक्षण शाखा दूरसंचार जयपुर के कुंजन शर्मा शामिल हैं। इनके अलावा एसडीआरएफ जयपुर के हेड कांस्टेबल ओम सिंह सहित आरएसी, एसपी कार्यालयों, आरपीए और पुलिस लाइन में कार्यरत अन्य कार्मिकों को भी पदक मिलेगा।

इन्हें मिलेगा पुलिस पदक।

9 अधिकारी-कर्मचारियों को योग्यता प्रमाण-पत्र

योग्यता प्रमाण-पत्र के लिए अजमेर जिला कलेक्टर लोक बंधु, वित्त विभाग के संयुक्त शासन सचिव देवेंद्र अरोड़ा, मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ उप सचिव राजेश, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय के संयुक्त निदेशक रणवीर सिंह, आईटी एवं संचार विभाग की सिस्टम एनालिस्ट रितिका पण्ड्या सहित नौ अधिकारियों-कर्मचारियों का चयन किया गया है। लोक कला, आर्टिजन्स, सामाजिक सेवा, खेल और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए नौ लोगों को प्रशस्ति-पत्र दिए जाएंगे। इनमें चित्रकला के लिए डॉ. जगमोहन माथोडिया, समाज सेवा के लिए डॉ. अरविंदर सिंह और कन्हैया लाल मूंधड़ा, जल संरक्षण के लिए दीप सिंह शेखावत, समाज सेवा के लिए सुधीश कुमार शर्मा, खीचन में पक्षी संरक्षण के लिए सेवा राम, शिल्प कला के लिए बादशाह मियां, पर्वतारोहण के लिए मनस्वी अग्रवाल और पैरा शूटिंग के लिए सृष्टि अरोड़ा शामिल हैं।

पुलिस के 15 मंत्रालयिक कार्मिक होंगे सम्मानित

पुलिस मुख्यालय में आयोजित होने वाले समारोह में महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल ध्वजारोहण करेंगे। समारोह में पुलिस के 15 मंत्रालयिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य, प्रशासनिक दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए प्रशंसा-पत्र प्रदान किए जाएंगे। इनमें पुलिस अधीक्षक कार्यालय जैसलमेर के प्रशासनिक अधिकारी महावीर सिंह भाटी, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) जयपुर की संस्थापन शाखा के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रमेश कुमार लामोरिया तथा सीआईडी (सीबी) जयपुर के सहायक प्रशासनिक अधिकारी बाबूलाल मीणा शामिल हैं। वरिष्ठ सहायक श्रेणी में पुलिस अधीक्षक कार्यालय नागौर के दिलीप सिंह, कोटा शहर के दिगम्बर सिंह व किशनलाल मीणा, बाड़मेर के जयदेव बोस, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) जयपुर के जितेन्द्र शर्मा और पुलिस ट्रेनिंग स्कूल बीकानेर के किशोर कुमार को सम्मानित किया जाएगा। इसी श्रेणी में रेंज कार्यालय उदयपुर के भानुप्रताप सिंह रावत, एसबीपी पीसीटीएस जोधपुर के ओमप्रकाश, सातवीं बटालियन आरएसी भरतपुर के हरवीर सिंह और पुलिस अधीक्षक कार्यालय धौलपुर के राहुल कसाना शामिल हैं।

डीजीपी ने दी शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने प्रदेशवासियों और पुलिस परिवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत काम कर रही है। संगठित अपराध, नशा तस्करी और साइबर फ्रॉड के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि साइबर ठगी का शिकार होने पर बिना देरी किए तत्काल 1930 हेल्पलाइन नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

एमडी फैक्ट्री पकड़ी, 100 करोड़ की ड्रग्स बरामद

बेधड़क | नागौर

पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन नशा मुक्त नागौर के तहत एक सप्ताह में दूसरी अवैध एमडी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने फैक्ट्री से 100 करोड़ रुपए से अधिक अंतरराष्ट्रीय कीमत की एमडी, कैफीन, बड़ी मात्रा में केमिकल और मादक पदार्थ बनाने के अत्याधुनिक उपकरण

बरामद किए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में यह फैक्ट्री आरोपी महावीर की निशानदेही पर जोधपुर रोड स्थित एक मकान में पकड़ी गई। महावीर को पुलिस ने 10 अगस्त को दीप कॉलोनी में पकड़ी गई पहली एमडी फैक्ट्री के मामले में गिरफ्तार किया था। तलाशी में 5.418 किलो तैयार एमडी, 2.744 किलो कैफीन और 24 प्रकार के करीब 210 लीटर रासायनिक पदार्थ मिले। इसके अलावा एमडी बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीन, केमिकल एक्सचेंज मशीन, पीएच मीटर, मैग्नेटिक स्टिरर, थर्मामीटर, बीकर, कांच के जार, 34 प्लास्टिक की कड़ाइयां और 10 बड़ी प्लेटें भी बरामद हुईं। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से नशे के निर्माण और तस्करी से जुड़े नेटवर्क का संचालन कर रहे थे। मामले में नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच जारी है।

रिफाइनरी में लगी आग

बेधड़क | बालोतरा

एचपीसीएल रिफाइनरी में शुक्रवार शाम को CDU में ऑयल लीकेज के बाद चिंगारी से आग लग गई। आग लगते ही रिफाइनरी का फायर सिस्टम सक्रिय हो गया और सायरन बजने लगे। धुआं उठने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं और करीब 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, घटना में बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस और प्रशासन की टीमें भी मौके पर पहुंचीं। हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों ने आग लगने की बात से इनकार करते हुए इसे माइनर ऑयल लीकेज बताया, जिससे फायर सिस्टम सक्रिय हुआ।

बिजनेस

सोना शुद्ध	जेवराती सोना	चांदी	सेंसेक्स	निफ्टी
1,55,400 (-600)	1,42,700 (-500)	240,000 (-1000)	78,009.25 (-70.71)	24,366 (-29.85)

सखी पहल से 25 हजार से अधिक ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर

महिला सशक्तीकरण में हिंदुस्तान जिंक ने स्थापित किए कीर्तिमान

बेधड़क | उदयपुर

देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक ग्रामीण उद्यमिता के जरिए महिला सशक्तीकरण की दिशा में नए आयाम स्थापित कर रही है। कंपनी के सीईओ अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि राजनीतिक स्वतंत्रता ने देश को अपना भविष्य गढ़ने का अधिकार दिया, वहीं आर्थिक स्वतंत्रता व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने की ताकत देती है। इसी सोच के साथ कंपनी महिलाओं को आजीविका, उद्यमिता और नेतृत्व के अवसर उपलब्ध करा रही है।

कंपनी की 'सखी' पहल से 25 हजार से अधिक ग्रामीण महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। इन्हें बचत, ऋण, कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रकाश ने कहा कि हिंदुस्तान जिंक शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास और महिला सशक्तीकरण के माध्यम से समावेशी विकास को बढ़ावा दे रही है।

ग्रामीण उद्यमिता की मिसाल बनीं फरजाना

सखी उत्पादन समिति से जुड़ी फरजाना ने घरेलू श्रम कार्य से आगे बढ़कर उत्पादन क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। कोविड काल में उनकी इकाई ने कपड़े के मास्क तैयार कर आय अर्जित करने के साथ सामाजिक जरूरत भी पूरी की। अब वह परिधान और एफएमसीजी उत्पाद निर्माण से जुड़ी हैं और करीब 3.47 लाख रुपए सालाना आय अर्जित कर रही हैं।

एआई-मशीन लर्निंग में महिला नेतृत्व

'तेजस्विनी' पहल के तहत चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स के लीचिंग एवं प्यूरिफिकेशन सेक्शन में महिलाएं विभिन्न शिफ्टों का संचालन कर रही हैं। वहीं देबारी जिंक स्मेल्टर की आईआईटी दिल्ली से स्नातक स्वप्निल थोरी डिजिटलीकरण विभाग का नेतृत्व कर रही हैं। उनके नेतृत्व में एआई और मशीन लर्निंग आधारित समाधानों से स्मेल्टर और पावर प्लांट में दक्षता, प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस और संसाधनों के बेहतर उपयोग में मदद मिली है। नवाचारों के लिए स्वप्निल और उनकी टीम को कई सम्मान भी मिल चुके हैं।

कृषि-पशुपालन से बढ़ी आय

कंपनी की 'समाधान' पहल के तहत कृषि और पशुपालन आधारित आजीविका को मजबूती दी जा रही है। मटून गांव की प्रेम बाई व्यास इसका उदाहरण हैं। उनका डेयरी उत्पादन 10 लीटर प्रतिदिन से बढ़कर करीब 85 लीटर हो गया है। इससे उनकी मासिक आय 90 हजार रुपए से अधिक हो गई है। वह वर्तमान में 20 पशुओं की डेयरी संचालित कर रही हैं। कंपनी के कुल कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी 26.3 प्रतिशत है, जो देश के मेटल एवं माइनिंग उद्योग में सर्वाधिक बताई गई है। महिलाएं भूमिगत खदानों, भारी मशीनरी, उत्पादन, माइन रेस्क्यू के साथ एआई, मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन और डिजिटलीकरण जैसे तकनीकी क्षेत्रों में भी जिम्मेदारियां संभाल रही हैं।

डॉ. अरोड़ा बनीं CII-IWN राजस्थान चैप्टर की चेयरपर्सन

बेधड़क | जयपुर

डॉ. सुदीप्ति अरोड़ा को वर्ष 2026-27 के लिए सीआईआई इंडियन वुमन नेटवर्क, राजस्थान चैप्टर की चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। वहीं, मोनल जुनेजा को वाइस चेयरपर्सन बनाया गया है। दोनों की नियुक्ति से महिला उद्यमिता, नेतृत्व और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में नेटवर्क के प्रयासों को नई गति मिलने की उम्मीद है। डॉ. अरोड़ा जयपुर स्थित डॉ. बी. लाल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में एन्वायरनमेंटल रिसर्च साइंटिस्ट और डायरेक्टर हैं। वेस्ट मैनेजमेंट,

डॉ. सुदीप्ति अरोड़ा

विशेषकर सॉलिड और लिक्विड वेस्ट ट्रीटमेंट के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाली डॉ. अरोड़ा के पास वर्मीफिल्ट्रेशन तकनीक आधारित नेचर-बेस्ड वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट सॉल्यूशन का पेटेंट है। वह 'प्रकृति' सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन

मोनल जुनेजा।

एन्वायरनमेंटल बायोटेक्नोलॉजी की संस्थापक हैं। 2026 में उन्हें यूके सरकार ने चेवनिंग CRISP फेलो के रूप में चुना था और उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में फेलोशिप पूरी की। डॉ. अरोड़ा ने आईआईटी रुड़की से Ph.D. और MNIT जयपुर से एन्वायरनमेंटल इंजीनियरिंग में मास्टर्स किया है। उनके 40 से अधिक शोध-पत्र और पुस्तक अध्याय प्रकाशित हो चुके हैं।

वहीं, मोनल जुनेजा दूसरी पीढ़ी की उद्यमी हैं। BTech डिग्रीधारी जुनेजा को सप्लाई चेन और प्रोक्योरमेंट मैनेजमेंट का अनुभव है। वह जुनेजा वायर्स प्राइवेट लिमिटेड में अहम जिम्मेदारियां संभालने के साथ 'मेटल हाउस LLP' की शुरुआत कर चुकी हैं। कंपनी जीआई वायर निर्माण के क्षेत्र में कार्यरत है।

स्पोर्ट्स

आज के मुकाबले

श्रीलंका v/s भारत — समय: सुबह 10.00 बजे से, गॉल (टेस्ट मैच)

आस्ट्रेलिया v/s बांग्लादेश — समय: सुबह 06.00 बजे से, डार्विन (टेस्ट मैच)

राष्ट्रीय जूनियर तैराकी 18 से भुवनेश्वर में

राज्य के 13 तैराक दिखाएंगे दम

बेधड़क | जयपुर

भुवनेश्वर में 18 से 23 अगस्त तक होने वाली राष्ट्रीय जूनियर तैराकी प्रतियोगिता में राजस्थान के 13 तैराक अलग-अलग स्पर्धाओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने शुक्रवार को यहां राजस्थान के 13 सदस्यीय दल का ऐलान किया, जिसमें सात बालक और 6 बालिका तैराक शामिल हैं। व्यास ने बताया कि प्रतियोगिता दो आयु वर्ग में होगी। ग्रुप ए में 17-18 वर्ष और ग्रुप ए-I में 15-16 वर्ष आयु के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। अनिल व्यास ने बताया कि 17-18 वर्ष आयु वर्ग के बालक वर्ग में कृष्णमादित्य सिंह 50 मीटर बैकस्ट्रोक में, साहिल गुप्ता 100 और 200 मीटर बटरफ्लाई में तथा नवीन भादू 800 और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में हिस्सा लेंगे। वहीं बालिका वर्ग में परी 200 और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में, जबकि रिदिमा सिंह 50 मीटर बटरफ्लाई और 200 मीटर फ्रीस्टाइल में चुनौती पेश करेंगी।

ग्रुप ए-I में 15-16 वर्ष आयु के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

व्यास ने बताया कि 15-16 वर्ष आयु वर्ग के बालक वर्ग में प्रखर शर्मा 800 और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल, अधिराज सिंह 50 मीटर फ्रीस्टाइल और 50 मीटर बैकस्ट्रोक, लोकेन्द्र खंगारोत 100 मीटर फ्रीस्टाइल और हिमांशु सामोता 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में उतरेंगे। वहीं बालिका वर्ग में रितिका खाटा

200 और 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले, दक्षिणा जोशी 100 और 200 मीटर बटरफ्लाई तथा 100 और 200 मीटर बैकस्ट्रोक, विधि सनाढ्य 100 और 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक तथा हरिका अलग 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले और 100 मीटर फ्रीस्टाइल में अपनी प्रतिभा दिखाएंगी। अनिल व्यास ने राजस्थान के इन युवा तैराकों से प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन और पदक की उम्मीद जताई।

600वां टेस्ट मैच खेलने उतरेगा भारत

एजेंसी | गॉल

भारत शनिवार से अपना 600वां टेस्ट मैच श्रीलंका के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेलेगा। अगर इंडिया इस मुकाबले को जीत लेता है, तो सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने के मामले में वेस्टइंडीज की बराबरी कर लेगा। गॉल की पिच पर भारतीय बल्लेबाजों की स्पिन के खिलाफ कड़ी परीक्षा होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए भी यह श्रृंखला काफी अहम मानी जा रही है। भारत को हाल में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखलाओं में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। ऐसे में कप्तान शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम के सामने श्रीलंका में मजबूत वापसी की चुनौती है। श्रीलंका ने गॉल में 1998 से खेले गए 49 टेस्ट में 27 मुकाबले जीते हैं। प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस जैसे स्पिनर घरेलू परिस्थितियों में भारत के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। भारत को ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल और देवदत्त पडिक्कल से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में भारत कुलदीप यादव, मानव सुथार और रविंद्र जडेजा के रूप में तीन बाएं हाथ के स्पिनरों के साथ उतर सकता है। तेज गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा पर जिम्मेदारी होगी। नबी का खेलना भी संभव है।

जेमिमा चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली। जेमिमा रोड्रिग्स चोट के कारण आगामी महिला एशिया कप और एशियाई खेलों से बाहर हो गई हैं। बीसीसीआई ने बताया कि तीन अगस्त को 'द हंड्रेड' के दौरान उनके दाहिने पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। मेडिकल जांच में हाई-ग्रेड टियर की पुष्टि हुई। उनकी जगह प्रतिका रावल को एशिया कप टीम में शामिल किया गया है। एशिया कप 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होगा, जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आइची-नागोया में आयोजित होंगे।

पदक जीतना चाहेगा भारत

एजेंसी | एम्सटेलवीन

लगातार दो ओलंपिक पदक जीत चुकी भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को वेल्स के खिलाफ विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी। भारत का लक्ष्य 51 साल से चले आ रहे विश्व कप पदक के सूखे को खत्म करना है। आठ बार की ओलंपिक चैंपियन भारतीय टीम ने 1975 में एकमात्र विश्व कप खिताब जीता था। इसके बाद 1971 में कांस्य और 1973 में रजत पदक हासिल किया, लेकिन पिछले 51 वर्षों से पोडियम तक नहीं पहुंच सकी।

इगा ने जीता WTA खिताब

एजेंसी | टोरंटो

पोलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना को 6-2, 6-3 से हराकर इस साल का पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीत लिया। यह स्वियातेक के कॅरिअर का 26वां खिताब है। उन्होंने शुरुआत में ही रिबाकिना की सर्विस तोड़कर पहला सेट 29 मिनट में अपने नाम किया। दूसरे सेट में 2-2 की बराबरी के बाद स्वियातेक ने फिर ब्रेक हासिल किया और 75 मिनट में मुकाबला जीत लिया।

सभी देशवासियों को 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जगदीश सोमानी
अध्यक्ष
राजस्थान उद्योग व्यापार महासंघ

आनंद गुप्ता
अध्यक्ष
झोटवाड़ा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन

अरुण गुप्ता
अध्यक्ष
विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन

पुष्प कुमार स्वामी
जनरल सेक्रेटरी
विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन

अरुण कुमार जाजोदिया
प्रदेश कोषाध्यक्ष
लघु उद्योग भारती

सुनील कुमार जैन (लोहेवाला)
अक्षया स्टील कारपोरेशन
(समाज सेवी)वीकेआई

राधेश्याम शर्मा
महासचिव
प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर
एसोसिएशन राजस्थान

दिनेश मित्तल
प्रदेश सह संयोजक आर्थिक प्रकोष्ठ, भाजपा राजस्थान
अध्यक्ष-सीकर रोड व्यापार महासंघ (जयपुर)
अध्यक्ष-अग्रवाल समाज सेवा समिति ढेरकाबालाजी

79 साल की आजादी

उपलब्धियों का उत्सव... और अधूरे सपनों का सवाल

जयदेव राठी, एडवोकेट
स्वतंत्र टिप्पणीकार

"स्वतंत्रता हमें विरासत में मिली उपलब्धि नहीं, बल्कि लगातार निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है। 1947 ने हमें सत्ता का अधिकार दिया था। संविधान ने हमें नागरिकता का अधिकार दिया। अब 2047 की तैयारी हमें समान अवसर, न्यायपूर्ण विकास और जिम्मेदार लोकतंत्र की दिशा में करनी है। तिरंगा हर वर्ष हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल ध्वज की ऊंचाई नहीं, बल्कि नागरिक के जीवन की गरिमा है। जिस दिन भारत का अंतिम नागरिक भी यह महसूस करेगा कि देश की प्रगति में उसका हिस्सा है, न्याय उसके दरवाजे तक पहुंच सकता है और उसकी आवाज सत्ता तक पहुंचती है, उस दिन आजादी का सपना वास्तव में पूर्णता की ओर बढ़ेगा। इसलिए 80वीं वर्षगांठ पर सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म उत्सव मनाना नहीं, बल्कि आत्ममंथन"

15 अगस्त 1947 केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं थी। यह उस सभ्यता की राजनीतिक मुक्ति का क्षण था, जिसने लगभग दो शताब्दियों की औपनिवेशिक सत्ता के बाद अपने भाग्य का निर्णय स्वयं करने का अधिकार हासिल किया। इस वर्ष भारत अपनी स्वतंत्रता के 79 वर्ष पूरे कर रहा है। लेकिन स्वतंत्रता दिवस का वास्तविक अर्थ केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और देशभक्ति के नारों तक सीमित नहीं हो सकता। आजादी का मूल्यांकन इस प्रश्न से होना चाहिए कि 1947 में जिस भारत का सपना देखा गया था, 2026 का भारत उसके कितना करीब पहुंचा है। हमने क्या पाया, क्या खोया और अभी क्या हासिल करना बाकी है- इन तीनों सवालों का ईमानदार उत्तर ही स्वतंत्रता का सच्चा मूल्यांकन हो सकता है।

1947 का भारत आज के भारत से बिल्कुल अलग था। औपनिवेशिक शासन ने अर्थव्यवस्था को कमजोर किया था, औद्योगिक आधार सीमित था, शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति चिंताजनक थी और देश विभाजन की त्रासदी से गुजर रहा था। इसके बावजूद स्वतंत्र भारत के नेतृत्व ने लोकतंत्र को अपनाया। यह निर्णय अपने आप में ऐतिहासिक था। दुनिया के अनेक नवस्वतंत्र देश सैन्य शासन, तानाशाही या राजनीतिक अस्थिरता के रास्ते पर चले, लेकिन भारत ने संविधान, चुनाव और संस्थाओं पर भरोसा किया। 15 अगस्त 1947 को राजनीतिक स्वतंत्रता मिली, लेकिन 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के साथ उस स्वतंत्रता को संस्थागत आधार मिला। संविधान ने नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता का लक्ष्य दिया और सत्ता की अंतिम वैधता जनता में स्थापित की। यही भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि है- लोकतंत्र का टिके रहना। आजादी के बाद भारत ने अनेक क्षेत्रों में ऐसी छलांग लगाई, जिसकी कल्पना 1947 के सीमित संसाधनों वाले देश के लिए कठिन थी। कृषि में हरित क्रांति ने खाद्यान्न संकट से बाहर निकाला। उद्योग, विज्ञान, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी और रक्षा के क्षेत्र में भारत ने अपनी क्षमता सिद्ध की। कभी खाद्यान्न के लिए दूसरे देशों पर निर्भर भारत आज खाद्य उत्पादन और अनेक कृषि वस्तुओं के निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अंतरिक्ष कार्यक्रम ने भारत को वैश्विक मंच पर अलग पहचान दी है। शिक्षा के क्षेत्र में भी परिवर्तन गहरा है। स्वतंत्रता के शुरुआती वर्षों में साक्षरता बेहद कम थी। बाद के दशकों में विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों का विस्तार हुआ तथा साक्षरता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

आर्थिक मोर्चे पर भारत का सफर भी उल्लेखनीय है। गरीबी में कमी आई, जीवन प्रत्याशा बढ़ी, आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ और भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण शक्ति बना। हाल के वर्षों में डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, सड़क, रेल, बिजली और दूरसंचार जैसी सुविधाओं के विस्तार ने आम नागरिक के जीवन को कई स्तरों पर बदला है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले दशकों में बड़ी संख्या में लोग गरीबी से बाहर आए हैं। लेकिन यहीं से स्वतंत्रता के मूल्यांकन का दूसरा पक्ष शुरू होता है। क्या आर्थिक विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से पहुंचा है? क्या हर युवा को सम्मानजनक रोजगार मिला है? क्या किसान आर्थिक सुरक्षा के साथ जीवन जी रहा है? क्या गरीब के बच्चे को वही अवसर मिलता है, जो किसी संपन्न परिवार के बच्चे को मिलता है? क्या महिला को सुरक्षा और समान अवसर वास्तव में प्राप्त हैं? क्या जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के आधार पर पैदा होने वाली खाइयां समाप्त हुई हैं? इन सवालों के जवाब पूरी तरह संतोषजनक नहीं हैं। भारत ने विकास किया है, लेकिन विकास और समानता एक ही चीज नहीं हैं। बड़े शहरों में चमकती अर्थव्यवस्था के साथ ऐसे गांव और बस्तियां भी हैं, जहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार अभी भी चुनौती हैं। डिजिटल भारत के साथ डिजिटल असमानता भी मौजूद है। विश्वस्तरीय अस्पतालों और विश्वविद्यालयों के साथ बड़ी आबादी आज भी बुनियादी स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए संघर्ष करती है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। यदि कोई नागरिक गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, भेदभाव या भय के कारण अपने अधिकारों का उपयोग नहीं कर सकता, तो राजनीतिक स्वतंत्रता अधूरी रह जाती है। इसीलिए आजादी के 79वें वर्ष में सबसे बड़ा प्रश्न अर्थव्यवस्था की गति नहीं, बल्कि विकास की गुणवत्ता है।

लोकतंत्र के सामने भी नई चुनौतियां हैं। चुनावों का विस्तार और राजनीतिक भागीदारी भारत की बड़ी ताकत है। लेकिन लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की व्यवस्था नहीं है। लोकतंत्र की असली परीक्षा संस्थाओं की स्वतंत्रता, असहमति के सम्मान, कानून के समान अनुप्रयोग और नागरिक अधिकारों की रक्षा में होती है। भारत की लोकतांत्रिक यात्रा ने अनेक संकटों का सामना किया है और फिर भी लोकतंत्र कायम रहा है। यही उसकी शक्ति है। आज सोशल मीडिया ने लोकतंत्र को नई आवाज दी है, लेकिन उसी के साथ फर्जी सूचना, नफरत और राजनीतिक ध्रुवीकरण की चुनौती भी बढ़ी है। सूचना की स्वतंत्रता तभी लोकतंत्र को मजबूत करेगी, जब उसके साथ तथ्य और जिम्मेदारी भी होगी।

आजादी का एक और महत्वपूर्ण अर्थ सामाजिक मुक्ति है। संविधान ने समानता का अधिकार दिया, लेकिन सामाजिक मानसिकता में परिवर्तन कानून से धीमा होता है। जातिगत भेदभाव, लैंगिक असमानता, धार्मिक अविश्वास और सामाजिक विभाजन आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। स्वतंत्रता संग्राम की सबसे बड़ी सीख यह थी कि विविधता भारत की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। इसलिए आज जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक मतभेद सामाजिक दुश्मनी में न बदलें। पर्यावरण का प्रश्न भी अब स्वतंत्रता के मूल्यांकन का हिस्सा होना चाहिए। आने वाली पीढ़ियों को कैसी हवा, पानी, मिट्टी और जलवायु मिलेगी- यह भी आजादी का सवाल है। यदि आर्थिक विकास प्राकृतिक संसाधनों को समाप्त कर दे, तो वह विकास लंबे समय तक टिकाऊ नहीं रह सकता। 2047 का भारत केवल बड़ा आर्थिक देश नहीं, बल्कि रहने योग्य और टिकाऊ देश भी होना चाहिए।

आज भारत के सामने अवसर भी असाधारण हैं। दुनिया वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल अर्थव्यवस्था के नए दौर में प्रवेश कर रही है। भारत के पास विशाल युवा आबादी, बड़ा बाजार, तकनीकी प्रतिभा और लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। लेकिन अवसर अपने आप उपलब्धि में नहीं बदलते। उसके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, अनुसंधान, रोजगार और मजबूत संस्थाओं की आवश्यकता होगी। इसलिए 15 अगस्त 2026 को हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि भारत ने 79 वर्षों में कितना हासिल किया। हमें यह भी पूछना चाहिए कि अगले 21 वर्षों में, अर्थात 2047 तक, हम किस भारत का निर्माण करना चाहते हैं। 2047 का भारत ऐसा होना चाहिए, जहां आर्थिक विकास का अर्थ कुछ लोगों की संपत्ति बढ़ना नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक समृद्धि हो। जहां किसान उत्पादनकर्ता होने के साथ सम्मानजनक आय वाला नागरिक हो। जहां युवा डिग्री लेकर नौकरी की कतार में खड़ा होने के बजाय अवसर पैदा करने की क्षमता रखता हो। जहां सरकारी विद्यालय गरीब की मजबूरी नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का भरोसा हों। जहां अस्पताल बीमारी के बाद इलाज का केंद्र ही नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज की आधारशिला हों। सबसे बढ़कर, 2047 का भारत ऐसा होना चाहिए, जहां नागरिक की पहचान उसकी जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र से पहले उसके संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों से हो। आजादी के 79 वर्ष का मूल्यांकन इसलिए न तो अंधा उत्सव होना चाहिए और न ही निराशावादी आलोचना। भारत ने असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन अधूरे काम भी उतने ही स्पष्ट हैं। स्वतंत्रता हमें विरासत में मिली उपलब्धि नहीं, बल्कि लगातार निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है। 1947 ने हमें सत्ता का अधिकार दिया था। संविधान ने हमें नागरिकता का अधिकार दिया। अब 2047 की तैयारी हमें समान अवसर, न्यायपूर्ण विकास और जिम्मेदार लोकतंत्र की दिशा में करनी है।

तिरंगा हर वर्ष हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल ध्वज की ऊंचाई नहीं, बल्कि नागरिक के जीवन की गरिमा है। जिस दिन भारत का अंतिम नागरिक भी यह महसूस करेगा कि देश की प्रगति में उसका हिस्सा है, न्याय उसके दरवाजे तक पहुंच सकता है और उसकी आवाज सत्ता तक पहुंचती है, उस दिन आजादी का सपना वास्तव में पूर्णता की ओर बढ़ेगा। इसलिए 80वीं वर्षगांठ पर सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म उत्सव मनाना नहीं, बल्कि आत्ममंथन करना है। आजादी का असली मूल्यांकन यह नहीं कि हमने 79 वर्षों में कितना आगे सफर तय किया, बल्कि यह है कि अब हम किस दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कविता

खुलें सभी वातायन

राजेश्वर सिंह
राज्य निर्वाचन आयुक्त, राजस्थान

दो अतियों के बीच दोलन
कर रहा चिंतन हमारा,
या तो हम हैं विश्व गुरु
या विश्व पटल पर बेचारा।

वेद उपनिषद, गीता का
है ज्ञान यहां पर, योग, नृत्य,
संगीत, आयुर्विज्ञान यहां पर।

कामंदक ,चाणक्य, शुक्र
का नीतिशास्त्र हैं, जीवन के
सम्यक् प्रबंध का अमोघास्त्र
है।

मंदिर, मस्जिद और महलों
की वास्तुकला है,
सदियों से आश्चर्यित करती
मूर्ति कला है।

पर इसका यह अर्थ नहीं
कि द्वार बन्द हों,
खुलें सभी वातायन,
मत संवाद मन्द हो।
अपने प्रगतिशील, पहलू
को हम दिखलाएं,
अन्यों में जो उन्नत हैं
उसको अपनाएं।

देशी भाषा, बोली में
जो ज्ञान समाहित,
जीवन का हर पक्ष
जहां होता संबोधित।

आवश्यकता ज्ञान संपदा
के संकलन की ,
उसके अनुसंधान,
अध्ययन, विश्लेषण की।

किंतु प्रत्येक देश की
अपनी परंपरा है,
रत्न प्रसूता हैं धरती,
यह भाव बड़ा है।

शिक्षित करता किंतु
ग्रहणशीलता यथावत,
ऐसा हो यह देश,
दान, अर्जन में तत्पर।।

नवगीत...

मुक्ति के संग्राम का पर्याय मेरा देश

वेद व्यास
वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार

मुक्ति के संग्राम का पर्याय मेरा देश।
चेतना के रंग का अध्याय मेरा देश।।

शब्द जिसके तैरते हैं अग्निधारा में।
अर्थ लेता है जहां इतिहास का सपना
विषबुझी उन्माद की पछुआ हवाओं पर
सूर्य किरणों से लिखा है नाम फिर अपना
लोक सत्ता के लिए प्रतिबद्ध मेरा देश।
प्रेरणा के पृष्ठ से सम्बद्ध मेरा देश।।

धर्म का जिसने नया परिवेश खोजा है
तोड़ डाले हैं समय की क्रूरता के पंख
विश्व के भूगोल की रचना बदलने में
और उजले हो गये स्वाधीनता के शंख
ज्योति रेखा को समर्पित आज मेरा देश।
व्यक्ति की अभिव्यक्ति का संवाद मेरा देश।।

युद्ध को जो और अब जीने नहीं देगा
दे रहा जो फिर चुनौती झूठे के बल को
यूं नहीं उड़ पाएंगे आतंक के बादल
मान्यता देगा नहीं जो ध्वंस के कल को
सत्य की आवाज का अधिकार मेरा देश।
भावना के ज्वार का संसार मेरा देश।।

संघर्ष, संकल्प, त्याग और राष्ट्र गौरव की प्रेरक कहानी है राष्ट्रीय ध्वज की विकास यात्रा

गहन चिंतन और मंथन का परिणाम है हमारा तिरंगा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार

केसरिया, सफेद और हरे रंग से सुसज्जित तिरंगा तथा उसके मध्य स्थित 24 तीलियों वाला अशोक चक्र केवल हमारे राष्ट्रीय ध्वज की पहचान नहीं है, बल्कि यह भारत की गौरवशाली यात्रा, संघर्ष, त्याग, शांति, प्रगति और न्याय का प्रतीक भी है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज की विकास यात्रा जितनी लंबी और संघर्षपूर्ण है, उतनी ही आज की युवा पीढ़ी के लिए रोचक, प्रेरक और गौरव का विषय भी है। 15 अगस्त को पूरा देश तिरंगा फहराकर आजादी का उत्सव मनाता है। ऐसे अवसर पर नई पीढ़ी के लिए यह जानना आवश्यक हो जाता है कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज वर्तमान स्वरूप तक कैसे पहुंचा और इसके प्रत्येक रंग तथा प्रतीक के पीछे कौन-सी भावना निहित है।

तिरंगे की यात्राः संघर्ष से स्वाभिमान तक

भारत के राष्ट्रीय ध्वज की विकास यात्रा स्वतंत्रता आंदोलन के साथ आगे बढ़ी। 7 अगस्त 1906 को कोलकाता के पारसी बागान स्क्वायर में पहली बार एक राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस ध्वज में लाल, पीले और हरे रंगों का प्रयोग किया गया था तथा उस पर 'वंदे मातरम्' अंकित था। विदेशी धरती पर भी भारत की स्वतंत्रता की आकांक्षा और राष्ट्रीय ध्वज की पहचान पहुंची। वर्ष 1907 में स्वतंत्रता सेनानी मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टुटगार्ट में भारतीय ध्वज फहराया। यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की अंतरराष्ट्रीय अभिव्यक्ति का अवसर था। इसके बाद एनी बेसेंट और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1917 में होमरूल आंदोलन के दौरान एक ध्वज का प्रयोग किया। इसमें सप्तऋषि के प्रतीक के रूप में सात तारों के साथ यूनियन जैक को भी स्थान दिया गया था।

पिंगली वेंकैया ने दी तिरंगे को नई दिशा

आंध्र प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया ने राष्ट्रीय ध्वज के स्वरूप को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने प्रारंभ में लाल और हरे रंग के ध्वज का प्रारूप तैयार किया। बाद में इसमें सफेद रंग जोड़ा गया और मध्य में चरखे को स्थान दिया गया। उस समय चरखा केवल एक यंत्र नहीं, बल्कि स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वतंत्रता का प्रतीक था। इस प्रकार राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्रता आंदोलन के विचारों और संकल्पों का प्रतिनिधि बन गया। 31 दिसंबर 1929 को रावी नदी के तट पर कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन के दौरान पूर्ण स्वराज्य के संकल्प के साथ तिरंगा फहराया गया। वर्ष 1931 तक राष्ट्रीय ध्वज के स्वरूप में केसरिया, सफेद और हरे रंगों का समावेश हुआ तथा बीच में चरखे को स्थान दिया गया। वर्ष 1943 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में तिरंगा फहराकर स्वतंत्र भारत की आकांक्षा को नया आत्मविश्वास दिया।

22 जुलाई 1947 को मिला राष्ट्रीय ध्वज का वर्तमान स्वरूप

स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने वर्तमान स्वरूप के राष्ट्रीय ध्वज को स्वीकार किया। इसमें चरखे के स्थान पर अशोक चक्र को स्थान दिया गया। सारनाथ स्थित अशोक स्तंभ के सिंह शीर्ष से प्रेरित यह चक्र भारतीय सभ्यता, न्याय, धर्म और निरंतर गति का प्रतीक है। इसके 24 तीलियां हमें जीवन और राष्ट्र को निरंतर आगे बढ़ाते रहने का संदेश देती हैं। इस प्रकार तिरंगे का वर्तमान स्वरूप किसी एक व्यक्ति या एक समय की देन नहीं है। इसके पीछे स्वतंत्रता आंदोलन के लंबे संघर्ष, अनेक विचारों, प्रयोगों व गहन चिंतन की यात्रा है।

ध्वजारोहण और ध्वज फहराने का अंतर

राष्ट्रीय पर्वों पर 'ध्वजारोहण' और 'ध्वज फहराने' शब्दों का प्रयोग कई बार एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है, जबकि दोनों में अंतर है। 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर पर राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण करते हैं। राज्यों में मुख्यमंत्री ध्वजारोहण करते हैं। इसके विपरीत 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। राज्यों में राज्यपाल ध्वज फहराते हैं। यह अंतर समझना राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और संवैधानिक परंपराओं की जानकारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

तिरंगे के रंगों में छिपा भारत का दर्शन

हमारे राष्ट्रीय ध्वज का प्रत्येक रंग विशेष संदेश समेटे हुए है। केसरिया रंग साहस, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। सफेद रंग सत्य, शांति और पवित्रता का संदेश देता है। हरा रंग विश्वास, समृद्धि और प्रगति का प्रतीक माना जाता है। मध्य में स्थित अशोक चक्र निरंतर गति, प्रगति, न्याय और धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश देता है। इस प्रकार तिरंगा भारत के जीवन-दर्शन और राष्ट्रीय चरित्र की अभिव्यक्ति है।

भारत में ध्वज की परंपरा रही है प्राचीन

भारत में प्राचीन काल से ही राजा-महाराजाओं के अपने ध्वज होते थे। मंदिरों और मठों पर भी ध्वजारोहण की परंपरा रही है। आधुनिक राष्ट्रीय ध्वज ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय स्वरूप ग्रहण किया।

आजादी की पहली रात से लाल किले तक

स्वतंत्रता की ऐतिहासिक रात 14-15 अगस्त 1947 को दिल्ली में संसद भवन पर तिरंगा फहराया गया। 15 अगस्त 1947 को इंडिया गेट के निकट प्रिंसेज पार्क में भी ध्वजारोहण हुआ। लाल किले पर प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा तिरंगा फहराने का ऐतिहासिक अवसर 16 अगस्त 1947 को आया। बाद में लाल किला स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय समारोह का प्रमुख केंद्र बन गया। आज 15 अगस्त को प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्र को संबोधित करते हैं।

तिरंगाः राष्ट्र की अस्मिता और स्वाभिमान

राष्ट्रीय ध्वज हमारी पहचान, राष्ट्रीय अस्मिता और स्वाभिमान का प्रतीक है। इसलिए तिरंगे का सम्मान प्रत्येक देशवासी का दायित्व है।

लेखकों से आग्रह है...
वे 'सच बेधड़क' में प्रकाशन के लिए अपने लेख, कविता, कहानी, व्यंग्य आदि रचनाएं हमें Editor@sachbedhadakdaily.com पर ई मेल करें। साथ में रचना के अप्रकाशित होने का स्वघोषणा पत्र भी भेजें।

पधारो सा
राजस्थान के सिंहद्वार, अलवर में
माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री
श्री अमित शाह जी
का हार्दिक स्वागत
एवं
अभिनंदन
अलवर सरस डेयरी
नवीन संयंत्र के भूमि पूजन एवं विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह
दिनांक: 16 अगस्त 2026 | समय: दोपहर 01:00 बजे
स्थान: विजय नगर मैदान, जेल सर्किल, अलवर
₹200 करोड़
की लागत से तैयार हो रहा अलवर सरस डेयरी का नवीन संयंत्र
₹127.93 करोड़
की लागत से निर्मित अलवर मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण
अनेक
विकास परियोजनाओं का लोकार्पण
अलवर के विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम
अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, अलवर

एक मुट्ठी नमक से उठी आवाज... आज अंतरिक्ष तक पहुंचा तिरंगा

कभी इस मिट्टी पर फैसले लंदन में होते थे। आज इसी मिट्टी से दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक आवाज उठती है। कभी अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ नारा लगाना भी जोखिम था, आज हर नागरिक को अपनी बात कहने का अधिकार है। 15 अगस्त 1947 को भारत ने सिर्फ सत्ता की चाबी नहीं बदली थी, उसने अपनी किस्मत खुद लिखने की शुरुआत की थी। उस आजादी के पीछे कोई एक चेहरा नहीं था। एक मुट्ठी नमक से शुरू हुई भारत की स्वतंत्रता की यात्रा आज अंतरिक्ष तक पहुंच चुके तिरंगे की गौरवगाथा है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में दांडी मार्च ने देशवासियों में स्वाभिमान और आजादी की लौ जगाई। अनगिनत वीरों के त्याग, संघर्ष और बलिदान से 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ। आज वही तिरंगा हिमालय की चोटियों से लेकर समुद्र की गहराइयों और अंतरिक्ष की ऊंचाइयों तक शान से लहरा रहा है।

फुकेट-दिल्ली उड़ान: विमान की 3 हाइड्रोलिक प्रणालियां हुई थीं विफल

4 सेकण्ड नियंत्रण से बाहर रहा विमान

एजेंसी | नई दिल्ली

फुकेट से चार अगस्त को दिल्ली आते समय एअर इंडिया के एअरबस ए-320 विमान की कई हाइड्रोलिक प्रणालियां विफल हो गई थीं और विमान चार सेकंड तक नियंत्रण से बाहर रहा, जिससे वह अचानक 300 फीट नीचे आ गया था। इस घटना में विमान में सवार 145 लोगों में से 24 लोग घायल हो गए थे। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) मामले की जांच कर रहा है।

घटना के संबंध में एअरबस की प्रारंभिक विश्लेषण रिपोर्ट से पता चला कि दो सेकंड के भीतर विमान की तीन हाइड्रोलिक प्रणालियां विफल हो गई थीं और उन्होंने सात सेकंड में फिर काम करना शुरू कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार हाइड्रोलिक प्रणालियां विफल होने के कारण करीब चार सेकंड तक विमान के 'एलीवेटर' और 'एलरॉन' ने पायलट के निर्देशों पर प्रतिक्रिया नहीं दी। एलीवेटर विमान के अगले हिस्से को ऊपर या नीचे करने, जबकि एलरॉन उसे दाईं या बाईं ओर झुकाने में मदद करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसका अर्थ है कि चार अगस्त को एअर इंडिया की फुकेट-दिल्ली उड़ान संख्या एआई 2379 चार सेकंड तक नियंत्रण से बाहर रही और बाद में प्रणालियों ने फिर काम करना शुरू कर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय समयानुसार सुबह 9:32:44 बजे से ठीक पहले एक हाइड्रोलिक प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया और सुबह 9:32:45 बजे बाकी दोनों हाइड्रोलिक प्रणालियां भी विफल हो गईं तथा सुबह 9:32:51 बजे तीनों प्रणालियों ने फिर काम करना शुरू कर दिया।

हाइड्रोलिक दबाव हो गया था कम

फाइल फोटो

रिपोर्ट में कहा गया कि हाइड्रोलिक दबाव कम होने के कारण प्रणालियां विफल हुईं। दबाव मापने वाले कम से कम दो 'स्विच' ने हाइड्रोलिक दबाव कम होने का संकेत दिया था, जिससे नियंत्रण संचालित करने वाले उपकरणों ने काम करना बंद कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, हाइड्रोलिक प्रणालियों के कुछ समय तक काम नहीं करने के दौरान सह-पायलट ने विमान के अगले हिस्से को पूरी तरह नीचे झुकाने का निर्देश दिया, लेकिन उड़ान नियंत्रण प्रणाली ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। ज्ञात रहे कि उड़ान के मुख्य पायलट की जांच रिपोर्ट में मनःप्रभावी पदार्थ के सेवन की पुष्टि हुई है। इसके बाद एअर इंडिया ने सभी पायलटों की जांच कराने का फैसला किया, जिसके दायरे में टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस के 5,000 से अधिक पायलट आएंगे।

नड्डा एम्स में भर्ती, कोरोनरी एंजियोग्राफी हुई

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को बेचैनी महसूस होने के बाद एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया। अस्पताल ने शुक्रवार को बताया कि नड्डा की कोरोनरी एंजियोग्राफी की गई। उनकी हालत अभी स्थिर है। उन्हें निगरानी के लिए हृदय रोग विभाग में भर्ती किया है। उन्हें गुरुवार को एम्स में भर्ती कराया गया था।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की शिकायत रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विरुद्ध दायर आपराधिक मानहानि की शिकायत और अधीनस्थ अदालत द्वारा जारी समन शुक्रवार को रद्द कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि मामले में कानून के तहत आवश्यक मंजूरी नहीं ली गई थी।

सुखबीर सिंह बादल को मिली अस्पताल से छुट्टी

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक गुरुद्वारे में कृपाण से किए गए हमले में घायल शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल को सर्जरी के बाद शुक्रवार को यहां एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जिसके बाद वह दिल्ली रवाना हो गए। नांदेड़ शहर के बाहरी इलाके में स्थित गुरुद्वारा माता साहिब देवन जी मुगत में गुरुवार को एक निहंग ने बादल पर हमला कर दिया था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बादल को दोपहर करीब डेढ़ बजे यशोसाई अस्पताल से छुट्टी दी गई।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का देश के नाम संदेश

प्रश्न पत्र लीक पर अंकुश के लिए सरकार ने किए व्यापक सुधार

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि सरकार सार्वजनिक परीक्षाओं में सुधार के लिए व्यापक कदम उठा रही है और सुधारों का उद्देश्य इनमें अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर पूरी तरह से अंकुश लगाना तथा परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं युवाओं के लिए भरोसेमंद बनाना है। राष्ट्रपति ने 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि जिस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार और समाज एकजुट रहते हैं, उसी तरह छात्रों के वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा के लिए सभी को मिलकर और ठोस प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परीक्षाएं, विद्यार्थियों के लिए अवसरों के द्वार खोलती हैं। इसलिए, सरकार इन परीक्षाओं में सुधार के लिए व्यापक कदम उठा रही है। उनकी यह टिप्पणी, हाल में देश भर में 'जेन-जी' और छात्रों के उन विरोध प्रदर्शनों के संदर्भ में मायने रखती है, जिनमें प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्न पत्र लीक की गड़बड़ियों के बाद व्यवस्था में बड़े बदलाव, तेजी से जांच और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई थी।युवा नागरिकों में उद्यमशीलता की भावना को रेखांकित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वे नौकरी खोजने के बजाय नौकरी पैदा करने की संस्कृति को तेजी से अपना रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को देश को संबोधित करते हुए।

नक्सलवाद को खत्म करना बड़ी उपलब्धि

मुर्मू ने आंतरिक सुरक्षा के मामले में, दशकों के संघर्ष के बाद नक्सलवाद को खत्म करने को एक बड़ी उपलब्धि करार दिया। उन्होंने कहा कि दशकों तक नक्सलवाद देश के लिए एक गंभीर चुनौती बना रहा। भारत को नक्सल-मुक्त बनाना एक बड़ी उपलब्धि है। जो इलाके कभी नक्सलवाद से प्रभावित थे, आज वहां उत्साह का माहौल है।

सशस्त्र बलों के साहस की सराहना

राष्ट्रपति मुर्मू ने भारतीय सशस्त्र बलों के असाधारण साहस की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने सटीक तरीके से आतंकवाद-विरोधी अभियान चलाने की देश की क्षमता को प्रदर्शित किया और यह कड़ा संदेश दिया कि आतंकवादी और उनके मददगार चाहे कहीं भी छिपे हों, उन्हें अंजाम भुगतना ही होगा।

सिंधु जल संधि को निलंबित करना सही कदम

राष्ट्रपति ने आतंकवाद-विरोधी रुख के साथ अपनाए गए रणनीतिक उपायों पर भी जोर दिया। उन्होंने आतंकवादी नेटवर्क को संरक्षण देने वाले देश के साथ 'सिंधु जल संधि' को निलंबित करने के फैसले को राष्ट्र, खासकर किसानों के हित में निर्णायक कदम बताया।

चमोली हादसा: 7 लोगों की मौत

गोपश्वर। उत्तराखंड के चमोली जिले में टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (टीएचडीसी) की विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में पानी एवं मलबा घुसने से सात लोगों की मौत हो गई है तथा तीन लापता लोगों की तलाश जारी है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एन. के. जोशी ने बताया कि हादसे के समय सुरंग में कुल 22 कर्मचारी मौजूद थे। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की शुक्रवार सुबह जारी रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार रात भर चले राहत एवं बचाव अभियान के दौरान सुरंग से 19 लोगों को बाहर निकाला गया जिनमें से सात लोगों की मौत हो गई और तीन लापता लोगों की तलाश जारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हेलीकॉप्टर से पीपलकोटी पहुंचे और उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने घटना पर चिंता जताते हुए सभी एजेंसियों को युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

केंद्र का अहम फैसला: निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को मिलेगा बढ़ावा

टेलीविजन चैनलों के लिए विज्ञापन की 12 मिनट की समय सीमा हटाई

बेधड़क | नई दिल्ली

सरकार ने टेलीविजन चैनलों के लिए विज्ञापन की अवधि की 12 (10+2) मिनट की सीमा को हटाने का फैसला किया है। निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और व्यापार में सुगमता सुनिश्चित करने के लिए विज्ञापन की अवधि पर लगी यह सीमा हटाई गई है। यह भारत में टीवी विज्ञापनों को विनियमित करने के तरीके में एक बड़ा बदलाव है।

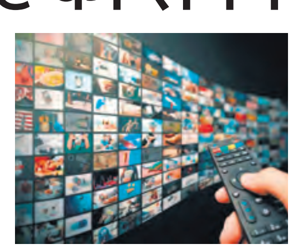

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने न्यूज ब्रॉडकास्टर्स फेडरेशन (एनबीएफ) के प्रतिनिधिमंडल के साथ हाल ही में हुई एक बैठक में इस फैसले की जानकारी दी। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एनबीएफ के संस्थापक अध्यक्ष अर्नब गोस्वामी कर रहे थे। सरकार का यह फैसला अहम है क्योंकि इंडस्ट्री शुरू में मौजूदा ढांचे में थोड़ी-बहुत नरमी की उम्मीद कर रही थी। मौजूदा नियमों के तहत चैनल एक घंटे (क्लॉक आवर) में 12 मिनट तक विज्ञापन दिखा सकते हैं, जिसमें 10 मिनट कमर्शियल विज्ञापन और दो मिनट का सेल्फ-प्रमोशनल मटीरियल शामिल होता है।

ज्ञात रहे कि टेलीविजन के लिए विज्ञापन की अवधि की सीमा साल 2006 में 'केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम 1994' के तहत लागू की गई थी। साल 2006 में सिर्फ 62 टीवी चैनल थे, जबकि अभी 900 से ज्यादा चैनल हैं।

मादक पदार्थों की तस्करी

NCB ने बसोया की यूएई से वापसी सुनिश्चित की: शाह

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के सरगना और भगोड़े आरोपी वीरेंद्र सिंह बसोया की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से वापसी सुनिश्चित की है। गृह मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार विदेशों में छिपे मादक पदार्थ तस्करों का लगातार पता लगा रही है और कठोर रवैया अपनाते हुए उनके पूरे नेटवर्क को खत्म कर रही है। एनसीबी ने यूएई से बसोया की वापसी सुनिश्चित करके नशीले पदार्थों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। आरोप है कि बसोया एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का सरगना है। बसोया का नाम 500 ग्राम 'मेफेड्रोन' की जब्ती के मामले में सामने आया हैं।

ऑनलाइन मंचों पर बाल यौन शोषण सामग्री

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जारी किया नोटिस

बेधड़क | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार संबंधी सामग्री को लेकर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस ऐसे मामलों की अनिवार्य रिपोर्टिंग संबंधी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को लागू करने की मांग को लेकर बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण से जुड़े संगठनों के नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस की एक याचिका पर जारी किया गया है। अपनी याचिका में जेआरसीए ने बाल यौन शोषण एवं दुर्व्यवहार सामग्रियों के ऑनलाइन प्रसार को रोकने के लिए एक व्यापक तंत्र बनाने की मांग की है। याचिका में अन्य उपायों के अलावा सोशल मीडिया मंचों के लिए इन सामग्रियों की पहचान और अनिवार्य रिपोर्टिंग की मांग की गई है। न्यायाधीश जे.बी. पारदीवाला और न्यायाधीश विनोद चंद्रन की खंडपीठ ने जेआरसीए को सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू कराने के लिए मध्यस्थों यानी ऑनलाइन मंचों को पक्षकार बनाए जाने की मांग वाली अर्जी दाखिल करने की इजाजत भी दे दी ताकि जेआरसीए की याचिका पर ही सितंबर, 2024 में दिए गए निर्देशों को और प्रभावी ढंग से लागू कराया जा सके। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की जनरल काउंसल रचना त्यागी ने इस फैसले को भारत में बच्चों की सुरक्षा के ढांचे को मजबूत करने की दिशा में अहम पड़ाव बताया है।

शौर्य को सम्मान: राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

78 शूरवीर होंगे पदकों से सम्मानित

■ 9 कीर्ति चक्र और 19 शौर्य चक्र किए जाएंगे प्रदान

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर रक्षा बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के लिए 78 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी, जिनमें 13 मरणोपरांत दिए जाएंगे। इन पुरस्कारों में नौ कीर्ति चक्र, 19 शौर्य चक्र, पांच 'बार टू सेना मेडल' (वीरता) और 36 सेना मेडल (वीरता) शामिल हैं। कीर्ति चक्र, अशोक चक्र के बाद भारत का शांति के समय दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है। शौर्य चक्र शांति के समय दिया जाने वाला तीसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है। कीर्ति चक्र पाने वालों में 21 पैरा (स्पेशल फोर्सेस) के लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज फ्रांसिस और 2 पैरा (स्पेशल फोर्सेस) के मेजर जितेंद्र राठी शामिल हैं। सात अन्य कीर्ति चक्र मरणोपरांत दिए जाएंगे।

कीर्ति चक्र शौर्य चक्र

सशस्त्र बलों के जिन कर्मियों को प्रतिष्ठित पुरस्कार मरणोपरांत दिए जाएंगे, उनमें 2 पैरा (स्पेशल फोर्सेज) के हवलदार गजेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल जगबीर सिंह और बशीर अहमद, कांस्टेबल जसवंत सिंह, बलविंदर सिंह और तारिक हुसैन, तथा इंस्पेक्टर सुनील कुमार शामिल हैं। शौर्य चक्र पुरस्कार विजेताओं में 36 राष्ट्रीय राइफल्स से मेजर परमवीर, 57 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर तरुण वासुदेवन, 12 डोगरा रेजिमेंट से मेजर केशव कुमार, 21 ग्रेनेडियर्स के मेजर गौरव सिंह बृजवाल, 11 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर विपिन कुमार, 3 असम राइफल्स से नायब सूबेदार शंकर राम और 21 पैरा (विशेष बल) के नायब सूबेदार डब्बल सिंह बिष्ट शामिल हैं। पुरस्कार पाने वाले अन्य लोगों में 4 पैरा (स्पेशल फोर्सेज) के हवलदार जगतार सिंह, 9 राष्ट्रीय राइफल्स के लांस नायक नरेंद्र सिंधु (मरणोपरांत), 11 राष्ट्रीय राइफल्स के लांस नायक कपिल देव, 7 सिख लाइट इन्फैंट्री के सिपाही जसविंदर सिंह, भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट कमांडर शिवम कुमार और भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर सुधीर कुमार शामिल हैं। शेष शौर्य चक्र पुरस्कार विजेताओं में उपाधीक्षक धीरज सिंह कटोच, निरीक्षक अजय सिंह चिब, उपाधीक्षक सुखवीर सिंह, सहायक उपनिरीक्षक नियाज अहमद, उप कमांडेंट अंजनी कुमार और कांस्टेबल दीपक साह हैं।

लाल किले की प्राचीर और शब्दों की तीरंदाजी!

15 अगस्त के ऐतिहासिक भाषण के संकेतों को डिकोड करने में जुटे दल!

14 अगस्त की शाम लुटियंस दिल्ली के गलियारों में हमेशा की तरह कानाफूसी का बाजार गर्म रहा। लाल किले की प्राचीर से क्या नया विजन देश के सामने आएगा, इसको लेकर कयासों की झड़ी लगी हुई है। सत्ता पक्ष के थिंक-टैंक जहां अंतिम मिनट तक भाषण के पंचलाइनों और योजनाओं के ड्राफ्ट को तराशने में मग्न दिखे, वहीं विपक्ष ने भी अपने प्रवक्ताओं की स्पेशल ब्रिगेड को पेन और डायरी थमा दी है ताकि हर वाक्य का तत्काल 'एक्स-रे' किया जा सके। सचमुच स्वतंत्रता दिवस का भाषण सिर्फ राष्ट्रीय उद्बोधन नहीं, बल्कि सियासी नब्ज का बैरोमीटर बन चुका है। अलबत्ता कुछ नेताजी इस बात को लेकर भी बेचैन हैं कि शनिवार सुबह की फ्रंट रो में उनके कुर्ते का रंग कैमरे में चमकेगा या नहीं। इधर राजनीतिक प्रेक्षक इस विश्लेषण में उलझे हैं कि इस बार का भाषण 'आत्मनिर्भर संकल्प' पर ज्यादा केंद्रित होगा या आने वाले चुनावों के रोडमैप पर। बहरहाल, देशवासी पतंगों की डोर थामे बैठे हैं और नेताजी भाषण में आने वाले शब्दों की डोर। अब देखना यह है कि शनिवार क भाषण के बाद टीवी स्टूडियोज में तालियां ज्यादा बजेंगी या तर्क!

चाय-समोसा गठबंधन और सीट शेयरिंग की थाली!

आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर विपक्षी गोलबंदी में डिनर डिप्लोमेसी की बहार!

दिल्ली से लेकर राज्यों की राजधानियों तक 14 अगस्त की दोपहर कई गोपनीय बैठकें और डिनर डिप्लोमेसी का सिलसिला देखने को मिला। चुनावी राज्यों में सीटों के तालमेल को लेकर सहयोगी दल एक-दूसरे की प्लेट में झांकते नजर आए। हर क्षेत्रीय क्षत्रप अपनी जमीन को मजबूत बताकर ज्यादा सीटों की मांग पर अड़ा हुआ है, जबकि बड़े दल 'बड़े दिल' की दुहाई दे रहे हैं। अलबत्ता, जब भी त्याग करने की बारी आती है, तो सभी एक-दूसरे की तरफ देखने लगते हैं। राजनीतिक प्रेक्षक इसे गठबंधन का स्वाभाविक खिंचाव बता रहे हैं, जहां मुस्कुराते हुए हाथ मिलाए जाते हैं मगर पैर एक-दूसरे की सीट पर ही जमे रहते हैं। बैठक के बाद बाहर निकले एक वरिष्ठ नेता ने हंसते हुए कहा कि चर्चा बेहद 'सकारात्मक' रही, जिसका सियासी अनुवाद होता है कि बात अभी वहीं अटकी है, जहां से शुरू हुई थी। गठबंधन की यह गाड़ी इंजन के दम पर चलेगी या डिब्बों के दबाव में, यह अभी तय होना बाकी है। चाय और समोसे तो खत्म हो गए, पर सीटों का हिसाब जस का तस खुला रह गया!

मानसून सत्र का पर्दा गिरा, सवालों का बस्ता खुला!

पक्ष-विपक्ष का रिपोर्ट कार्ड वॉर, किसने क्या खोया और क्या पाया?

संसद के मानसून सत्र के हंगामेदार समापन के बाद दोनों पक्षों के रणनीतिकारों ने एक-दूसरे को 'अंक' देने की औपचारिकता पूरी की। सत्ता पक्ष ने जहां पारित हुए विधेयकों की लंबी फेहरिस्त गिनाते हुए इसे उत्पादक बताया, वहीं विपक्ष ने चर्चा के सीमित समय को लेकर वॉकआउट के अपने अधिकारों को ऐतिहासिक करार दिया। अलबत्ता संसद की कैंटीन में दोनों ही पक्षों के सांसद एक साथ कॉफी की चुस्कियां लेते हुए सत्र के खत्म होने की राहत मनाते दिखे। सदन के भीतर जो तीखे तेवर माइक पर दिखते हैं, वो सेंट्रल हॉल के सोफों पर ठहाकों में बदल जाते हैं। राजनीतिक प्रेक्षक इस बात पर मुस्कुराते हैं कि लोकतंत्र की यह खूबसूरती है या अदाकारी की पराकाष्ठा, अब सत्र तो समाप्त हो गया, लेकिन बयानों की गूंज अभी हफ्तों तक राज्यों के चुनावी मंचों पर सुनाई देगी। जनता यही सोच रही है कि हंगामे के बीच जो बिल पास हुए, उनकी बारीकियों पर चर्चा कब होगी?

लेटरहेड वाली क्रांति और अनुशासन का तराजू!

असंतुष्ट धड़ों को साधने के लिए हाईकमान की मान-मनौव्वल!

एक बड़े राज्य में पार्टी के भीतर चल रहे 'शीत युद्ध' ने 14 अगस्त को नया मोड़ ले लिया, जब कुछ असंतुष्ट विधायकों ने बंद कमरे में चाय पार्टी कर डाली। अंदरखाने थर्मामीटर का पारा काफी चढ़ा हुआ था। असंतुष्ट नेताओं का कहना है कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही, जबकि नेतृत्व का तर्क है कि हर किसी को मंत्री नहीं बनाया जा सकता। अलबत्ता जब चुनाव सिर पर हों तो हाईकमान को भी कड़वे घूंट पीकर चाय पार्टी के मेजबानों को दिल्ली बुलाना ही पड़ता है। राजनीतिक प्रेक्षक इसे अनुशासन और मजबूरी के बीच का क्लासिक द्वंद्व मान रहे हैं। नोटिस जारी करने की धमकी तो दी गई, लेकिन शाम होते-होते 'डैमेज कंट्रोल' के लिए दूत रवाना कर दिए गए। राजनीति में कब बागी वफादार बन जाए और कब वफादार नाराज, इसका मौसम विभाग भी अंदाजा नहीं लगा सकता!

कुर्सी की दौड़ और उत्तराधिकार का रहस्य!

पुराने वफादारों की खामोशी के मायने!

दक्षिण से लेकर उत्तर भारत के क्षेत्रीय दलों में उत्तराधिकार का मुद्दा हवा में तैर रहा है। बुजुर्ग क्षत्रप अपने वारिसों को मंच की अगली कतार में बिठाने की जुगत में हैं, जबकि दशकों से पार्टी का झंडा ढोने वाले पुराने वफादार मन ही मन हिसाब लगा रहे हैं। सचमुच विरासत सौंपने की यह प्रक्रिया जितनी आसान दिखती है, सियासी गलियारों में उतनी ही पेचीदा साबित होती है। पुराने नेताओं की खामोशी में बगावत के सुर हैं या मजबूरी की सहमति, यह अभी साफ नहीं है। अब सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यही बनकर उभरा है कि क्या नई पीढ़ी जनता से वही जुड़ाव बना पाएगी, जो पुराने दिग्गजों का था? राजनीतिक प्रेक्षक मानते हैं कि ब्रांड नेम से टिकट तो मिल सकता है लेकिन जनसमर्थन के लिए पसीना बहाना ही पड़ता है। फिलहाल युवा नेताजी ब्रांडेड कुर्ते में रैलियां संभाल रहे हैं और पुराने नेताजी पीछे खड़े होकर मुस्कुराते हुए 'अनुभव' का वजन बढ़ा रहे हैं!

■ संकलनः संदीप मिश्रा

निकलेगी तीज माता की सवारी... सुहागिनें रखेंगी व्रत, युवतियां करेंगी मनचाहे वर के लिए शिव-पार्वती की पूजा

सिंजारे पर हाथों में रची मेहंदी, हरियाली तीज आज

बेधड़क | जयपुर

मेहंदी रचे हाथ, चूड़ियों की खनक और घेवर की मिठास... सिंजारे के साथ राजस्थान की संस्कृति और सुहाग के पर्व हरियाली तीज का उल्लास शनिवार को जयपुर में छाएगा। इससे पहले शुक्रवार को सिंजारा पर्व परंपरागत उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिनों ने हाथों पर मेहंदी रचाई और तीज की तैयारियां कीं। पीहर से बेटियों के लिए मेहंदी, चूड़ियां, वस्त्र, श्रृंगार सामग्री, घेवर और मिठाइयां भेजी गईं। तीज पर शनिवार को महिलाएं अखंड सौभाग्य और पति की दीर्घायु की कामना से व्रत रखेंगी। युवतियां मनचाहे वर के लिए शिव-पार्वती की पूजा करेंगी। शहर में झूले, तीज मेले और पारंपरिक गीतों के बीच पर्व का रंग नजर आएगा। शाम को ऐतिहासिक तीज माता की सवारी भी निकलेगी, जिसमें जयपुर की लोक संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। जिन युवतियों के रिश्ते तय हो चुके हैं, उनके ससुराल पक्ष से भी सिंजारा भेजा गया। तीज से पहले बाजारों में महिलाओं ने चूड़ियां, मेहंदी और श्रृंगार सामग्री की खरीदारी की। तीज के दिन महिलाएं झूला झूलेंगी और पारंपरिक गीतों के साथ पर्व का उल्लास मनाएंगी।

फोटो: राजेश कुमावत

सिंजारा महोत्सव पर मेहंदी लगवाती महिलाएं।

शिव, सिद्ध और रवि योग का संयोग

ज्योतिषाचार्य डॉ. महेंद्र मिश्रा के अनुसार तीज पर शिव, सिद्ध और रवि योग का विशेष संयोग रहेगा। सिद्ध योग पूरे दिन रहेगा और 16 अगस्त को सुबह 5.21 बजे तक प्रभावी रहेगा। इसमें शिव-पार्वती की पूजा को विशेष फलदायी माना गया है।

चांदी की पालकी में सवार होगी तीज माता

तीज माता की सवारी तीज और बूढ़ी तीज के अवसर पर ही नगर भ्रमण के लिए निकलती है। करीब 400 किलो वजनी चांदी की पालकी को आठ कंधेदार संभालेंगे। तीज माता की सवारी शाम करीब छह बजे सिटी पैलेस की जनानी ड्योढ़ी से रवाना होकर त्रिपोलिया गेट, छोटी चौपड़ और गणगौरी बाजार होते हुए ताल कटोरा पहुंचकर सम्पन्न होगी। सवारी निकलने से पूर्व जनानी ड्योढी में पूर्व राजपरिवार की महिलाएं तीज माता का पूजन करेंगी। सिटी पैलेस में शुक्रवार को तीज की सवारी के लिए रथ, बग्घी, अस्त्र-शस्त्रों की साफ सफाई का कार्य किया गया।

ड्रोन से होगी पुष्प वर्षा

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि आयोजन में 150 से अधिक कलाकार राजस्थान की लोक परंपराओं की झलक पेश करेंगे। उन पर ड्रोन से पुष्प वर्षा होगी। पौंड्रिक पार्क में 15 व 16 अगस्त को केवल महिलाओं के लिए सुबह 11.30 से रात 9.30 बजे तक तीज मेला लगेगा। शहर की 14 एलईडी स्क्रीन पर सवारी का लाइव प्रसारण होगा। राजस्थान फाउंडेशन विदेशों में भी प्रसारण करेगा।

आज का पंचांग

- **शुभ वि. सं.:** 2083 - **हिजरी सन:** 1448 - **ऋतु:** वर्षा ऋतु
- **संवत्सर का नाम:** रौद्र - **मास:** श्रावण - **पक्ष:** शुक्ल पक्ष
- **शाके संवत:** 1948 - **अयन:** सूर्य दक्षिणायन

आज का दिन

शनिवार, 15 अगस्त, 2026

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

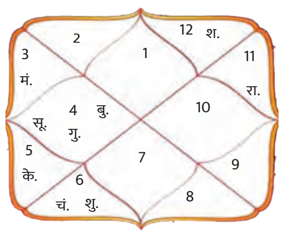

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज शुभ का चौघड़िया सुबह 7.39 से 9.17 बजे तक है। इसके बाद में चर का चौघड़िया दोपहर 12.31 से 2.09 बजे तक, फिर लाभ-अमृत का दोपहर 2.09 से 5.23 बजे तक है। इनमें शुभ कार्य कर सकते हैं।

अभिजीत: आज 11.59 से 12.51 बजे तक है।

तिथि: आज तृतीया शाम 5.29 बजे तक रहेगी। इसके बाद में चतुर्थी तिथि रहेगी।

दिशाशूल: पूर्व दिशा में रहेगा।

चंद्रमा: आज सिंह राशि में सुबह 9.35 बजे तक, फिर कन्या राशि में रहेगा।

राहु काल: आज सुबह 9.00 से 10.30 बजे तक रहेगा।

नक्षत्र: उत्तरा फाल्गुनी रात 3.26 बजे तक, फिर हस्त नक्षत्र रहेगा।

योग: शिव सुबह 7.09 बजे तक, बाद में सिद्ध योग अगले दिन सुबह 5.21 बजे तक, फिर साध्य योग रहेगा।

शुभाशुभ ज्ञान

भद्रा रात 5.11 बजे से पाताल लोक की लाभप्रद, बुध अश्लेषा में रात 2.15 बजे से, मधुश्रवा तीज, तीज मेला जयपुर में, लघु तृतीया व्रत, भारतीय स्वतंत्रता दिवस, श्री सेवक जयंती, अश्वत्थ मारुती पूजन, रवि उल अव्वल मु. मास 3 प्रारंभ, पारसी नूतन वर्ष नवरोज प्रारंभ, रवि योग रात 3.26 बजे तक, यमघंट योग रात 3.26 से सूर्योदय तक।

-पं. अवधेश शर्मा

जंगलेश्वर महादेव का किया रुद्राभिषेक

जयपुर। बनीपार्क स्थित जंगलेश्वर महादेव मंदिर में शिव परिवार का सहस्रघट जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक महोत्सव आयोजित हुआ। विद्वान आचार्यों और पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक कराया। श्रद्धालुओं ने बेल पत्र, धतूरा, दूध और गंगाजल अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में कमलेश ढींगरा, मीनू, अनिल ढींगरा, राजेश नागपाल, अर्जुन, मनन सहित बड़ी संख्या में शिव भक्त शामिल हुए।

वैशाली नगर गुरुद्वारे में गुरबाणी कीर्तन

बेधड़क | जयपुर

वैशाली नगर स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार के स्थापना दिवस पर शुक्रवार को धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन श्री अखंड पाठ साहिब की शुरुआत के साथ हुआ। स्थापना दिवस पर जयपुर के बाहर से आए रागी जत्थे भी शामिल हुए। रहिरास साहिब के पाठ के बाद विशेष कीर्तन दीवान सजाया गया। इसमें गुरुद्वारा वैशाली नगर के हजूरी रागी भाई जसविंदर सिंह, तख्त श्री पटना साहिब के हजूरी रागी भाई हरजीत सिंह और टिकाना साहिब वाले भाई भूपिन्दर सिंह ने गुरबाणी कीर्तन किया। कीर्तन सुनकर संगत भाव विभोर हो गई। कार्यक्रम के बाद गुरु का अटूट लंगर बरताया गया। गुरुद्वारा वैशाली नगर के प्रधान सरदार सर्वजीत सिंह माखीजा ने बताया कि 15 अगस्त को सुबह 9 बजे अखंड पाठ साहिब की समाप्ति होगी। इसी दिन रात 9 बजे से सुबह 4 बजे तक रहनसबाई कीर्तन का आयोजन होगा। इसमें दिल्ली से भाई रविंदर सिंह और भाई जसविंदर सिंह, भाई हरजीत सिंह तथा भाई भूपिन्दर सिंह कीर्तन प्रस्तुत करेंगे।

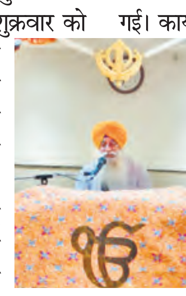

पाथेय भवन में नाट्य मंचन और संगोष्ठी आयोजित

युवा राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ें

बेधड़क | जयपुर

भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद जयपुर की ओर से पाथेय भवन स्थित नारद सभागार में शुक्रवार को नाट्य मंचन और संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्रदेशभर से साहित्यकार, शिक्षाविद् और पत्रकार शामिल हुए। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता जयपुर प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने कहा कि भारत का विभाजन 1947 में हुआ, लेकिन

आज भी हमारे आसपास हर दिन कई तरह के विभाजन हो रहे हैं। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। दिल्ली के अदिति महाविद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लेखक-विचारक होनगासंद्र वेंकटरमय्या शेषाद्रि की कृति 'और देश बंट गया' पर आधारित नाटिका प्रस्तुत की। विभाजन के मार्मिक दृश्यों ने दर्शकों को भावुक कर दिया। परिषद् के प्रदेश महामंत्री विष्णु शर्मा हरिहर ने साहित्य के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने की बात कही। प्रदेश संयुक्त महामंत्री डॉ. ओमप्रकाश भार्गव ने आयोजन की जानकारी दी। स्वागताध्यक्ष राधा गोविंद करोल ने आभार जताया।

आजादी सिर्फ अधिकार नहीं, जिम्मेदारी भी

स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस भारत का सपना देखा था, वह केवल शक्तिशाली भारत का सपना नहीं था। वह ऐसा भारत था जहां नागरिक सम्मान से जी सकें, कानून सबके लिए समान हो और देश की तरक्की में हर व्यक्ति की हिस्सेदारी हो। इसलिए 15 अगस्त केवल अतीत को याद करने का दिन नहीं है। यह खुद से सवाल करने का दिन भी है- हमने आजादी से क्या पाया और आने वाली पीढ़ी को कैसी आजादी सौंपेंगे?

- तिरंगा हर साल वही रहता है, लेकिन उसके मायने हर पीढ़ी के साथ बढ़ते जाते हैं।
- आज जब तिरंगा आसमान में लहराता है, तो उसमें 1857 की चिंगारी भी दिखाई देती है, भगत सिंह का साहस भी, गांधी का सत्याग्रह भी, नेताजी का संकल्प भी और 1947 की वह सुबह भी, जिसने भारत को अपनी नियति खुद लिखने का अधिकार दिया।
- 79 साल बाद भारत की कहानी खत्म नहीं हुई है। असल में, हर नई पीढ़ी के साथ आजादी की कहानी का अगला अध्याय लिखा जा रहा है।

द जेसी शो: संकल्प से सिद्धि: आखिर कैसे हकीकत में बदला नेशनल चैनल भारत24 लाने का सपना?

नई दिल्ली। भारत24 न्यूज चैनल की चौथी वर्षगांठ पर नोएडा कार्यालय में शुक्रवार को विशेष 'द जेसी शो' का आयोजन किया गया। 'संकल्प से सिद्धि: आखिर कैसे हकीकत में बदला नेशनल चैनल भारत24 लाने का सपना?' शीर्षक वाले इस शो में डॉ. जगदीश चंद्र ने इस विषय पर विस्तार से चर्चा की। शो के दौरान चैनल के सीईओ एंड एडिटर इन चीफ डॉ. जगदीश चंद्र के साथ बाएं से अंजनी कुमार सिंह, धीरेंद्र कुमार अवस्थी, सृष्टि पांडे, आकांक्षा तोमर, पूजा यादव, पूर्णिमा मिश्रा, मनोज जग्यासी, अमित ओझा और अनु श्रीधर मौजूद रहे।

Yuva स्टोरीज

कल गूंजेंगे वतन के तराने

बेधड़क. जयपुर। जैन सोशल ग्रुप जयपुर गोल्ड एवं जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में वतन के तराने का 5वां संस्करण रविवार 16 अगस्त को 7 बजे महावीर स्कूल, सी-स्कीम में आयोजित होगा। संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोधा एवं अध्यक्ष राजकुमार बैद ने बताया, डॉ. गौरव जैन (सारेगामा फेम), संजय रायजादा (ABCL फेम), दीपशिखा जैन (गुरुकुल फेम) एवं कलाकार गीत प्रस्तुत करेंगे। अतिथि डॉ. प्रेम चन्द बैरवा होंगे। मनोज रेखा सेठी दीप प्रज्ज्वलन करेंगे। अतिथि निखिल-छवि सेठी एवं गौरिका जैन होंगे। सुरेन्द्र पाटनी, मनीष कुमार जैन चांदवाड़ सहित 30 जैन सोशल ग्रुप के पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

ब्याडवाल को मिला राष्ट्रीय सम्मान

बेधड़क. जयपुर। जयपुर के युवा आर्किटेक्ट अभिषेक ब्याडवाल और उनकी फर्म एबी आर्किटेक्ट्स एंड प्लानर्स को वास्तुकला एवं इंटीरियर डिजाइन के क्षेत्र में राष्ट्रीय सम्मान मिला है। बेंगलुरु के ताज वेस्ट एंड में आयोजित नेशनल आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइन एक्सीलेंस अवार्ड्स एंड कॉन्फ्रेंस 2026 - ग्लोबल एडिशन में एबी आर्किटेक्ट्स एंड प्लानर्स को 'फ्यूचरिस्टिक एंड क्रिएटिव आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइन फर्म ऑफ द ईयर-2026 - नॉर्थ इंडिया' सम्मान दिया गया। वहीं, फर्म के फाउंडर एवं प्रिंसिपल आर्किटेक्ट अभिषेक ब्याडवाल को 'ट्रस्टेड एंड प्रॉमिसिंग आर्किटेक्ट एंड डिजाइनर ऑफ द ईयर 2026 - नॉर्थ इंडिया' के विशेष सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम में 500 से अधिक आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनर्स, रियल एस्टेट लीडर्स और एंटरप्रेन्योर्स शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि अभिषेक ब्याडवाल वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जुगल किशोर मीणा के बेटे हैं। इस दोहरी उपलब्धि को जयपुर की आधुनिक वास्तुकला एवं डिजाइन प्रतिभा की राष्ट्रीय पहचान के रूप में देखा जा रहा है।

निशुल्क क्लेफ्ट सर्जरी को बढ़ावा

बेधड़क. जयपुर। दुनिया की सबसे बड़ी क्लेफ्ट-केंद्रित संस्था स्माइल ट्रेन और क्रेडिटएक्सेस इंडिया फाउंडेशन ने साझेदारी की है। इसके तहत जयपुर और आसपास के क्षेत्रों में क्लेफ्ट के साथ जन्मे बच्चों की 100 निशुल्क सर्जरी में सहयोग किया जाएगा। इनमें 50 सर्जरी स्माइल ट्रेन के सहयोगी एपेक्स हॉस्पिटल, जयपुर में होंगी। स्माइल ट्रेन एशिया की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं रीजनल डायरेक्टर ममता कैरोल ने कहा कि साझेदारी से बच्चों और परिवारों के लिए निशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण क्लेफ्ट देखभाल की पहुंच मजबूत होगी। सीए ग्रामीण के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर एवं क्रेडिटएक्सेस इंडिया फाउंडेशन के डायरेक्टर गुरुराज राव ने कहा कि पहल के माध्यम से बच्चों को आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना इलाज उपलब्ध कराने का प्रयास है। एपेक्स हॉस्पिटल के कंसल्टेंट प्लास्टिक सर्जन डॉ. भरत शर्मा ने समय पर सर्जरी को महत्वपूर्ण बताया। राजस्थान में स्माइल ट्रेन इंडिया 44,000 से अधिक निशुल्क सर्जरी में सहयोग कर चुका है।

79 साल में बहुत कुछ बदला, नहीं बदली जयपुर की रिवायत

तिरंगे के साथ आज तीज के रंग में रंगेगा गुलाबी शहर

अदिति शर्मा | बेधड़क

जयपुर। आजादी के 79 साल में जयपुर बहुत बदल गया। रियासत का शहर लोकतंत्र की राजधानी बना, हाथी-घोड़ों की जगह सड़कों पर कारें दौड़ीं, पुराने बाजारों के साथ मॉल आए, मेट्रो आई, शहर परकोटे से निकलकर दूर-दूर तक फैल गया। लोगों की जिंदगी, पहनावा, खान-पान और त्योहार मनाने के तरीके तक बदल गए। इस बदलाव में बहुत कुछ पीछे छूट गया, लेकिन आज भी उसी शिद्दत से कायम है तो वह है जयपुर की परंपरा, अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति और अपने त्योहारों से जुड़ाव। इस बार 15 अगस्त को देश आजादी का जश्न मनाएगा और जयपुर में हरियाली तीज की परंपरा भी अपने पूरे रंग में नजर आएगी। एक तरफ सरकारी इमारतों पर तिरंगा फहरेगा, राष्ट्रगान गूंजेगा, दूसरी तरफ पुराने जयपुर की गलियां लहरिये, मेहंदी, पारंपरिक गीतों और तीज माता की सवारी से सजेंगी। यह महज दो पर्वों का एक साथ आना नहीं, बल्कि उस जयपुर की तस्वीर है जिसने आधुनिकता को अपनाया, लेकिन अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा।

रियासत गई, रिवायत नहीं

जिस जयपुर में कभी राजपरिवार की शाही सवारियां निकलती थीं, वही शहर आज लोकतंत्र के दौर में जी रहा है। शासन व्यवस्था बदल गई, सत्ता के केंद्र बदल गए, शहर का विस्तार कई गुना हो गया, लेकिन तीज की सवारी का आकर्षण आज भी बरकरार है। सिटी पैलेस से निकलकर त्रिपोलिया और पुराने शहर की गलियों से गुजरती सवारी आज भी जयपुर की सांस्कृतिक स्मृति को जीवित रखती है।

फोटो: AI

तस्वीरें गवाही देती हैं

पुरानी तस्वीरों में दर्ज तीज की सवारी देखें तो वक्त का फर्क साफ दिखाई देता है। कभी सड़कों पर बैलगाड़ियां और पारंपरिक शाही लवाजमा दिखाई देता था, आज उनके साथ आधुनिक जयपुर खड़ा है। भीड़ बदल गई, कैमरे बदल गए, तस्वीर लेने का अंदाज बदल गया, लेकिन सवारी को देखने उमड़ता शहर और उसके साथ जुड़ी भावनाएं अब भी वही हैं। यही तस्वीरें बताती हैं कि परंपरा समय के साथ चल सकती है, बशर्ते उसकी आत्मा बची रहे।

15 अगस्त की खूबसूरत तस्वीर

इस बार 15 अगस्त सिर्फ आजादी का पर्व नहीं होगा। यह उस जयपुर की तस्वीर भी होगा जिसने 79 साल में बहुत कुछ बदला, बहुत कुछ पीछे छोड़ा, बहुत कुछ नया अपनाया, लेकिन अपनी रिवायत को नहीं छोड़ी। तिरंगा नई पहचान और नए भारत का प्रतीक होगा, वहीं तीज इस शहर की उस पुरानी पहचान की गवाही देगी जो वक्त के साथ बदली नहीं, बल्कि हर पीढ़ी के साथ और गहरी होती गई। शायद यही किसी शहर की असली आजादी है बदलते वक्त के साथ आगे बढ़ना, लेकिन अपनी जड़ों को पीछे न छोड़ना।

बदलते जयपुर के बीच बची रही पहचान

शहर की पहचान कभी राजमहलों, हवेलियों, हाथी-घोड़ों और बैलगाड़ियों से थी, वो शहर परकोटे से निकलकर दूर-दूर तक फैल चुका है और जिंदगी की रफ्तार भी पहले से कहीं तेज हो गई है। सावन आते ही जयपुर की यह तेज रफ्तार अपनी पुरानी धुन पर लौट आती है। महिलाएं पारंपरिक परिधान पहनती हैं, हाथों में मेहंदी सजती है, झूले पड़ते हैं और तीज के गीतों में पुरानी पीढ़ियों की आवाजें फिर सुनाई देती हैं। शहर बदलता रहा, उसकी रफ्तार बदलती रही, लेकिन अपनी परंपराओं से उसका रिश्ता आज भी वैसा ही है। यहां मेट्रो है, स्मार्ट फोन है, आधुनिक बाजार हैं और दुनिया से जुड़ने के नए रास्ते हैं।

SKIT के विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

बेधड़क. जयपुर। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोथान (एसकेआईटी), जयपुर के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) विभाग के तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सीएसआईआर-सीईईआरआई, जयपुर परिसर का औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान, आधुनिक विनिर्माण तकनीकों एवं औद्योगिक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक परिचय कराना था। डॉ. विजय चटर्जी, वैज्ञानिक-ई एवं बिजनेस डेवलपमेंट, सीएसआईआर-सीईईआरआई ने विद्यार्थियों को संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों तथा इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों के विकास की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने स्वचालित पीसीबी निर्माण एवं असेंबली मशीन का प्रत्यक्ष प्रदर्शन देखा तथा इलेक्ट्रॉनिक घटकों की स्वचालित प्लेसमेंट एवं विनिर्माण प्रक्रिया को समझा। साथ ही अनुसंधान, प्रोटोटाइप निर्माण, स्वचालन एवं नई तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी ली। भ्रमण का समन्वयन डॉ. विकास पाठक, डॉ. जूही गर्ग, अभिनंदन जैन एवं प्रियंका शर्मा ने किया।

शास्त्री नगर टीम ने संभाली जिम्मेदारी

बेधड़क. जयपुर। लायंस क्लब जयपुर शास्त्री नगर की वर्ष 2026-27 की नई टीम का पदस्थापना समारोह होटल रेडिसन, एमआई रोड पर आयोजित किया गया। समारोह में नई टीम के पदाधिकारियों ने पदभार ग्रहण किया। नई टीम में लायन जगदीश सोमानी को अध्यक्ष, लायन शोभागमल अग्रवाल को सचिव एवं लायन राजकुमार कोटिया को कोषाध्यक्ष बनाया गया। अध्यक्ष जगदीश सोमानी ने बताया कि आगामी कार्यकाल में सेवा कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। जरूरतमंदों की सहायता के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, रक्तदान और सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न सेवा प्रकल्प आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि क्लब का उद्देश्य जरूरतमंद वर्ग तक सेवा पहुंचाना और अधिक से अधिक लोगों को सामाजिक कार्यों से जोड़ना है। समारोह में क्लब के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान नई टीम का स्वागत कर आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गईं। नई टीम ने 'वी सर्व' की भावना के साथ समाजसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।

पुस्तक चर्चा 'स्त्री स्वर: मौन से मुखर तक' का विमोचन

101 रचनाकारों की संवेदनाओं को मिला साझा स्वर

बेधड़क | जयपुर

रेनू 'शब्दमुखर' संपर्क संस्थान के रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर देश के विभिन्न अंचलों की 101 रचनाकारों की स्त्री-विषयक रचनाओं पर आधारित साझा काव्य-संग्रह 'स्त्री स्वरः मौन से मुखर तक' का विमोचन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने की। संग्रह का संपादन रेनू 'शब्दमुखर' ने किया है। उन्होंने बताया कि इस संकलन के संपादन का दायित्व उनके लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ अत्यंत आत्मीय अनुभव भी रहा। देश के अलग-अलग अंचलों से

प्राप्त रचनाओं में निहित स्त्री मन की संवेदनाओं, अनुभवों और विचारों को संवेदनशीलता के साथ एक साझा मंच प्रदान करने का प्रयास किया गया है। प्रत्येक रचनाकार की मौलिक अभिव्यक्ति और भावभूमि को सम्मान देते हुए रचनाओं को संकलित किया गया। उन्होंने कहा कि 'स्त्री स्वरः मौन से मुखर तक' केवल कविताओं का संग्रह नहीं, बल्कि 101 कवि-कवयित्रियों के स्त्री मन के भावों की सामूहिक अभिव्यक्ति है। अलग-अलग परिवेश और अनुभवों से आई रचनाकारों की रचनाएं जब एक पुस्तक में एकत्रित होती हैं, तो वे व्यक्तिगत स्वर से आगे बढ़कर एक साझा स्त्री स्वर का रूप ले लेती हैं। इस अवसर पर संपर्क संस्थान के अध्यक्ष अनिल लढ्ढा, कार्यक्रम संयोजक डॉ. अखिल शुक्ला, रोजियम ग्रुप के चेयरमैन अर्पित जैन, किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर जैन, महासचिव सुनील अग्रवाल सहित अनेक साहित्यकार एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेनू श्रीवास्तव ने किया। रेनू 'शब्दमुखर' ने संकलन में शामिल सभी 101 कवि-कवयित्रियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी रचनाएं अब केवल व्यक्तिगत अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि एक साझा स्त्री स्वर के रूप में पाठकों तक पहुंच रही हैं।

भारत24 के राष्ट्रीय पत्रकारिता में चार साल पूरे करने पर नोएडा में जश्न, जयपुर की टीम भी ऑनलाइन हुई शामिल

दिल्ली की 'खुशी' से खिली 'गुलाबी मुस्कान'

बेधड़क | जयपुर

भारत24 - विजन ऑफ न्यू इंडिया, नोएडा ने शुक्रवार को चार वर्ष पूरे कर लिए। इस अवसर पर ऐसे राष्ट्रीय न्यूज प्लेटफॉर्म की स्थापना के संकल्प से शुरू हुई यात्रा को याद किया गया, जिसकी नींव भारत की आकांक्षाओं, विविधता और वास्तविकताओं पर आधारित हो। 15 अगस्त, 2022 को शुरू हुए इस चैनल ने बीते चार वर्षों में अपना विस्तार किया और देश के बदलते मीडिया परिदृश्य में एक प्रमुख आवाज के रूप में पहचान बनाई।

चौथी वर्षगांठ के अवसर पर डॉ. जगदीश चंद्र के लोकप्रिय शो द जेसी शो का विशेष एपिसोड प्रसारित किया गया, जिसका विषय 'संकल्प से सिद्धिः आखिर कैसे हकीकत में बदला नेशनल चैनल भारत24 लाने का सपना?' था। इस एपिसोड में उस विचार, संकल्प और बौद्धिक आधार को याद किया गया, जिसने आगे चलकर राष्ट्रीय न्यूज चैनल के सपने को भारत24 का रूप दिया। यात्रा को याद करते हुए डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि इस विचार ने पहली बार श्रीनगर की यात्रा के दौरान आकार लिया था और धीरे-धीरे एक वास्तविक राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म बनाने के विजन में बदल गया। उन्होंने उन लोगों और विचारों का भी उल्लेख किया, जिन्होंने चैनल के शुरुआती दौर को आकार देने में योगदान दिया, साथ ही एक महत्वाकांक्षी विचार को कार्यरत राष्ट्रीय नेटवर्क में बदलने की चुनौतियों पर भी बात की। बीते चार वर्षों में भारत24 ने गति के साथ विश्वसनीयता को जोड़ने का प्रयास किया है। चैनल ने देशभर के घटनाक्रमों को दर्शकों तक पहुंचाने के साथ महानगरों और जमीनी स्तर से उभरने वाली खबरों को भी स्थान दिया है। इसकी संपादकीय सोच भारत के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक बदलावों पर केंद्रित है।

डॉ. जगदीश चंद्र।

डॉ. जगदीश चंद्र का स्वागत करतीं श्रद्धा मोरोलिया। साथ में मो. शाहजहां, मनोज जग्यासी और डॉ. अनमोल अहलूवालिया।

केक काटते पवन अरोड़ा। साथ में हैं इंदु राठौड़, डॉ. जयति मिश्रा, जिनेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र छाबड़ा, मनोज माथुर, श्वेता मिश्रा अवस्थी और मोनी शर्मा। निर्मल तिवारी, सत्यनारायण शर्मा और विकास शर्मा भी इस मौके पर मौजूद रहे।

अनु श्रीधर।

टीम के सामूहिक प्रयासों की सराहना

भारत 24 Vision of New India

फर्स्ट इंडिया न्यूज कार्यालय में भी वर्षगांठ उत्साह के साथ मनाई गई और टीम ने नोएडा में आयोजित समारोह में वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की। समारोह का नेतृत्व फर्स्ट इंडिया मीडिया ग्रुप के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा ने किया, जबकि श्वेता मिश्रा अवस्थी ने कार्यक्रम का संचालन किया और टीम के साथ इस उपलब्धि का जश्न मनाया। पवन अरोड़ा ने इंदु राठौड़, डॉ. जयति मिश्रा, जिनेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र छाबड़ा, मनोज माथुर, श्वेता मिश्रा अवस्थी और मोनी शर्मा के साथ जश्न का केक काटा। इस अवसर पर निर्मल तिवारी, सत्यनारायण शर्मा, विमल कोठारी, महेश पालीवाल, विकास शर्मा सहित अन्य टीम सदस्य भी मौजूद रहे। डॉ. चंद्र और पूरी भारत24 टीम को बधाई देते हुए पवन अरोड़ा ने कहा, 'भारत24 की चार साल की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ विश्वास, उद्देश्य की स्पष्टता और सामूहिक प्रयास क्या हासिल कर सकते हैं। एक महत्वाकांक्षी विचार से राष्ट्रीय न्यूज़ प्लेटफॉर्म तक की यात्रा में इसने भारत और देशवासियों को अपनी पत्रकारिता के केंद्र में रखते हुए एक अलग पहचान बनाई है। यह उपलब्धि इस यात्रा में योगदान देने वाले हर सदस्य की है। मैं आने वाले वर्षों में भारत24 की विश्वसनीयता, पहुंच और प्रभाव के और बढ़ने की कामना करता हूं।' विशेष एपिसोड में भारत24 के संपादकीय फोकस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विषय को भी शामिल किया गया। डॉ. चंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री की नीतियों, नेतृत्व और राजनीतिक यात्रा में लगातार बनी जनरुचि उन्हें स्वाभाविक रूप से राष्ट्रीय समाचार कवरेज का महत्वपूर्ण विषय बनाती है। भारत24 पांचवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है और इस पड़ाव को अंत के बजाय नवाचार, विश्वसनीयता और एक जागरूक एवं प्रगतिशील भारत में योगदान देने के व्यापक विजन के प्रति नए संकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

डॉ. जगदीश चंद्र के साथ अतुल वर्मा, ऋतिक बनर्जी, भीम नेगी, मोहम्मद आरिफ खान, देवेंद्र पाठक, पूजा यादव, पूर्णिमा मिश्रा, अमित ओझा, मनोज जग्यासी, संदीप मिश्रा और आशीष मल्होत्रा।

पवन अरोड़ा के साथ राजेंद्र छाबड़ा, निर्मल तिवारी, जिनेंद्र सिंह शेखावत, विमल कोठारी, महेश पालीवाल, मनोज माथुर, विकास शर्मा और श्वेता मिश्रा अवस्थी।

पूर्णिमा मिश्रा।

डॉ. जगदीश चंद्र के साथ डॉ. अनमोल अहलूवालिया, मनोज जग्यासी, प्रो. बृज बक्शी और ताज मानसिंह होटल के स्टाफ सदस्य- रोहित, चेतन, विवेक, विक्रम सिंह, अनन्या, हरीश, कौशिक, मोहम्मद शाहजहां, श्रद्धा मोरोलिया, गुंजन सहदेव और उदित मित्तल।

डॉ. जगदीश चंद्र के साथ पलक शर्मा, अजय तिवारी, अनु श्रीधर, पूजा यादव, अखिलेश वर्मा, आशीष मल्होत्रा, मनोज जग्यासी, भीम नेगी, धीरेंद्र अवस्थी, अंजनी कुमार सिंह, देवेंद्र पाठक, अमित ओझा, पूर्णिमा मिश्रा और सृष्टि पांडे।

डॉ. जगदीश चंद्र के साथ अजय तिवारी, भीम नेगी, आशीष मल्होत्रा, ऋतिक बनर्जी, मनोज जग्यासी, कमल रौतेला, देवेंद्र पाठक और अतुल वर्मा।

वंदे मातरम् का सामूहिक गायन

बेधड़क. जयपुर। राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उत्सव 'वंदे मातरम् @150' के तृतीय चरण के तहत 14 अगस्त को 'वंदे मातरम्: भारतीय स्वतंत्रता का अमर उद्घोष' विषय पर निबंध प्रतियोगिता एवं राष्ट्र गीत का सामूहिक गायन हुआ। कार्यक्रम राजस्थान सरकार के शांति एवं अहिंसा निदेशालय तथा पी.एम. श्री राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय, गणगौरी बाजार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य मनोज गुप्ता ने मुख्य अतिथि शांति एवं अहिंसा निदेशालय के निदेशक अजय असवाल का स्वागत किया। शांति एवं अहिंसा निदेशालय की वरिष्ठ लेखाधिकारी महिमा पचार सहित अधिकारियों तथा विद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक स्टाफ ने भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को अजय असवाल ने स्मृति चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान से हुआ।

रैली में 'सेनानियों' ने जीता दिल

बेधड़क. जयपुर। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पूर्व जयपुरिया विद्यालय में 'तिरंगा रैली' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रधानाचार्या रेणु शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्री-प्राइमरी वर्ग के छोटे-छोटे बच्चे रहे, जिन्होंने भगत सिंह, महात्मा गांधी, रानी लक्ष्मीबाई और सुभाष चंद्र बोस जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों का रूप धारण कर सभी का दिल जीत लिया। उनके साथ ही, बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने स्कूल गणवेश (यूनिफॉर्म) में गर्व से तिरंगा लहराते हुए निश्चित मार्ग पर मार्च किया और 'भारत माता की जय' तथा 'वंदे मातरम' के नारे लगाए।

नरपत सिंह बने स्वतंत्र निदेशक

जयपुर। नरपत सिंह रिडमलसर को भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स में इंडिपेंडेंट डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। इस उपलब्धि और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए उन्होंने प्रदेश संगठन एवं

केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। राठौड़ ने कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता का 'फर्श से अर्श' तक पहुंचना केवल भाजपा जैसे संगठन में ही संभव है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने का संकल्प दोहराया, जिसमें युवाओं, किसानों और महिलाओं को साथ लेकर चलना है। नरपत सिंह रिडमलसर के कॉरपोरेट जगत में दीर्घकालिक अनुभव, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से जमीनी जुड़ाव और संगठन के प्रति समर्पण को उनकी नियुक्ति की प्रमुख विशेषता बताया गया। इस अवसर पर उनके सफल कार्यकाल और उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

विभाजन विभीषिका स्मृति प्रदर्शनी शुरू

बेधड़क | जयपुर

भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर 14 अगस्त को राजकीय केन्द्रीय संग्रहालय, अल्बर्ट हॉल संग्रहालय, जयपुर में राज्य स्तरीय विभाजन विभीषिका चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन कर भारत विभाजन को अप्राकृतिक विभाजन बताया। उन्होंने कहा कि देश के बंटवारे का दर्द अमिट छाप है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। नफरत और हिंसा के कारण लाखों लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा और हजारों लोग रातों-रात बेघर हुए। इस अवसर पर विभाजन की विभीषिका झेल चुके लोगों के प्रतिनिधियों को मोमेंटो एवं शॉल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभाग के निदेशक डॉ. पंकज धरेन्द्र, नीरज कुमार त्रिपाठी, महेन्द्र कुमार निम्हल, सरोजनी चंचलानी, राकेश छोलक, सोहन लाल चौधरी, प्रतिभा यादव सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिविर में बनाए बच्चों के आधार कार्ड

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय ने शुक्रवार को विभिन्न बालगृहों में निवासरत बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के लिए विधिक जागरूकता शिविर लगाए। एसओएस बालग्राम, पीतल फैक्ट्री में आयोजित शिविर में 10 बालगृहों के 55 बच्चों के आधार कार्ड बनाने अथवा अपडेट के लिए आवेदन किए गए। इनमें 27 बच्चों के आधार कार्ड मौके पर ही बनाए और अपडेट किए गए। शेष 28 बच्चों के आधार कार्ड भी जल्द बनवाए जाएंगे। शिविर का आयोजन डीओआईटी और जिला बाल संरक्षण इकाई के समन्वय से हुआ।

डीएलएसए मेट्रो द्वितीय की सचिव पल्लवी शर्मा ने बताया कि माता-पिता से वंचित और आधार से वंचित बच्चों को सुविधा देने के उद्देश्य से शिविर लगाया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई के राजेंद्र सिंह गुर्जर ने मौके पर आवेदनों का सत्यापन किया।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/003/2026-28

न्यूज बेधड़क

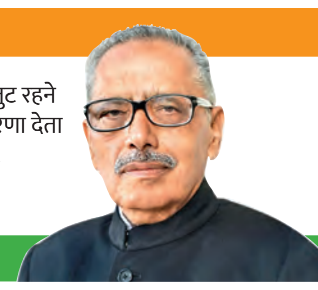

"आजादी का जज्बा हमें बड़े सपने देखने, एकजुट रहने और हर बलिदान के योग्य भारत बनाने की प्रेरणा देता रहे। स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

डॉ. जगदीश चंद्र, सीएमडी एंड एडिटर इन चीफ

फर्स्ट इंडिया न्यूज की ओर से आज अलवर के द फर्न होटल में आयोजित होगा कार्यक्रम

अलवर में खैरथल-तिजारा गौरव सम्मान सीजन-3 आज

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव होंगे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

बेधड़क | जयपुर

फर्स्ट इंडिया न्यूज की ओर से खैरथल-तिजारा गौरव सम्मान सीजन-3 का आयोजन शनिवार शाम पांच बजे अलवर के द फर्न होटल में किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में तिजारा विधायक महंत बालकनाथ योगी, कठूमर विधायक रमेश खींची, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, अलवर जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही अलवर कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला, खैरथल कलेक्टर अतुल प्रकाश, अलवर यूआईडी सचिव आईएएस धायगुड़े स्नेहल नाना, अलवर जिला परिषद के सीईओ आईएएस सालुखे गौरव रवींद्र, अलवर एसडीएम आईएएस माधव भारद्वाज, अलवर पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी और भिवाड़ी पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह आयोजन फर्स्ट इंडिया न्यूज के सीएमडी एवं एडिटर-इन-चीफ डॉ. जगदीश चंद्र और सीईओ व मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा की पहल पर आयोजित किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव।

कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के उन प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित करना है, जिन्होंने समाज सेवा, संस्कृति, जनसेवा और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की कई प्रतिष्ठित हस्तियां भी शामिल होंगी।

बेधड़क FIRST

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बनाया एक नया रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की 200 में से 178 विधानसभा सीटों का दौरा कर नया रिकॉर्ड कायम किया है। शेष 22 विधानसभा क्षेत्रों को भी अगले दो-तीन महीनों में कवर करने की तैयारी है, जबकि विधानसभा चुनाव में अभी करीब 27 महीने बाकी हैं। मुख्यमंत्री की इस सक्रियता और लगातार जनसंपर्क से जयपुर से दिल्ली तक राजनीतिक हलकों में चर्चा है। सवाल उठ रहा है क्या भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्रियों के इतिहास में जनसंपर्क का नया रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं?

दिल्ली के रेजिडेंट कमिश्नर की अनोखी सक्रियता

दिल्ली में राजस्थान के रेजिडेंट कमिश्नर रोहित कुमार की अनोखी सक्रियता इन दिनों चर्चा में है। करीब 40 दिन पहले पद संभालने के बाद से वे हर दिन गुलदस्ते लेकर सरकारी मुलाकातों के लिए निकल रहे हैं। केंद्र सरकार के छोटे-बड़े अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ता भेंट करते हैं और तस्वीर भी खिंचवाते हैं। खास बात यह है कि इन मुलाकातों की तस्वीरें नियमित रूप से सोशल मीडिया पर साझा की जाती हैं। अधिकारियों के बीच उनकी यह सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है।

रिश्वत के मामले में आरोपी पूर्व सभापति को कांग्रेस में बड़ी जिम्मेदारी

प्रदेश कांग्रेस के स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ में एक नियुक्ति ने सियासी हलकों को चौंका दिया है। सवाईमाधोपुर नगर परिषद के पूर्व सभापति विमल महावर को प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव बनाया गया है। महावर अक्टूबर 2022 में सभापति रहते रिश्वत लेते ट्रैप हुए थे और करीब दो महीने जेल में रहे। बाद में स्थानीय निकाय विभाग ने उन्हें निलंबित कर दिया था। अभियोजन स्वीकृति के बाद मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। इसी बीच मिली नई जिम्मेदारी चर्चा में है।

कोटा की सियासत में संयोग भी, किस्से भी!

निकाय प्रमुखों की लॉटरी में कोटा जिला प्रमुख का पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित हुआ है। दिलचस्प है कि कोटा ने ही देश को पहली महिला जिला प्रमुख नगेन्द्र बाला दी थीं, जो स्वतंत्रता सेनानी केसरी सिंह बारहठ की पौत्री थीं। अब एक बार फिर जिला परिषद की कमान महिला के हाथों में होगी। वहीं कोटा की लाडपुरा पंचायत समिति में प्रधान नईमुद्दीन गुड्डू ने एक ही कार्यकाल में तीन बार प्रधान पद संभालने का रिकॉर्ड बनाया। निलंबन के बाद कोर्ट से बहाली, फिर दोबारा निलंबन और दोबारा कोर्ट से राहत के बाद उन्होंने तीसरी बार कुर्सी संभाली।

सिंजारा, लहरिया और प्रदर्शन-महिला कांग्रेस का अलग अंदाज

जयपुर में महिला कांग्रेस के प्रदर्शन में शुक्रवार को सियासत के साथ तीज के सिंजारे का रंग भी नजर आया। पैदल मार्च में शामिल ज्यादातर महिला कार्यकर्ता लहरिया पहनकर पहुंचीं। कुछ महिलाएं पति के साथ प्रदर्शन में आईं, जहां पति गाड़ी में बैठे रहे और पत्नी सड़क पर नारे लगाती नजर आईं। प्रदर्शन खत्म होते ही कुछ कार्यकर्ता सिंजारा मनाने रवाना हो गईं। दिलचस्प बात यह रही कि पैदल मार्च में साथ चल रही महिला पुलिसकर्मी भी कहती सुनाई दीं-"आज सिंजारे का दिन है, छोड़ देते प्रदर्शन के लिए!"

मुख्यमंत्री ने बीकानेर-अनूपगढ़ को दी करोड़ों की सौगात

CM ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास

बेधड़क | जयपुर/ बीकानेर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बीकानेर और श्रीगंगानगर जिलों को विकास कार्यों की बड़ी सौगातें दीं। बीकानेर में करीब 800 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया, वहीं अनूपगढ़ में 389 करोड़ के 131 विकास कार्यों की सौगात दी गई। मुख्यमंत्री ने लूणकरणसर में मिनी सचिवालय, डूंगरगढ़ में 25 करोड़ की लागत से ट्रॉमा सेंटर एवं उप जिला चिकित्सालय, मेघासर उप चिकित्सा केंद्र को पीएचसी में क्रमोन्नत करने और बीकानेर के म्यूजियम सर्किल पर पुल निर्माण सहित कई विकास कार्यों की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने अनूपगढ़ किले के जीर्णोद्धार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय की स्थापना की घोषणा की। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

सादुलशहर में तिरंगा यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सादुलशहर में आयोजित तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। उन्होंने अंबेडकर सर्किल से अरूट चौक तक हाथ में तिरंगा लेकर यात्रा में भागीदारी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्राएं नई पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्र प्रथम की भावना को मजबूत कर रही हैं। तिरंगा यात्रा से पहले मुख्यमंत्री ने सादुलशहर में राजकीय उप जिला चिकित्सालय के नवीन भवन का शिलान्यास किया। वहीं चूनावढ़ में मिल्क चिलिंग प्लांट बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने मेघासर के संस्थापक वीर शिरोमणि मेघो जी उपाध्याय की अष्टधातु निर्मित अश्वारूढ़ प्रतिमा का अनावरण किया।

MEET & GREET

डॉ. जगदीश चंद्र ने शुक्रवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से अचानक हुई मुलाकात के दौरान उनका अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने बढ़ाया होनहारों का हौसला

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बीकानेर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में देशभक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मूक-बधिर, लेकिन बेहद जोशीले और प्रतिभाशाली होनहारों से मुलाकात कर उनकी हौसला अफजाई की। मुख्यमंत्री ने उनका उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि प्रतिभा किसी शारीरिक चुनौती की मोहताज नहीं होती। इन युवाओं का जज्बा समाज के लिए प्रेरणादायी है।

तिरंगा यात्रा में शामिल हुए बिरला

__बेधड़क, कोटा।__ स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर कोटा में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी शहरवासियों के साथ इस यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। इस मौके पर बिरला ने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्र का प्रतीक नहीं, बल्कि उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की पहचान है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि विभाजन की पीड़ा और उस दौर की त्रासदी को देश कभी नहीं भूल सकता।

कॉकरोच टिप्पणी विवाद पर प्रधान न्यायाधीश ने तोड़ी चुप्पी

मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया: सीजेआई

■ देश के युवाओं को गुमराह करने की कोशिश की गई

बेधड़क | नई दिल्ली

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने अपने कॉकरोच वाले बयान पर एक बार फिर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया गया और देश के युवाओं को गुमराह करने के लिए उनका दुरुपयोग किया गया। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर अदालती कार्यवाहियों के अधूरे क्लिप्स प्रसारित होने पर चिंता जताई।

15 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कुछ ऐसे लोगों की तुलना कॉकरोच से की थी, जिनके पास फर्जी डिग्रियां हैं और जो व्यवस्था पर हमला करने के लिए सोशल मीडिया या सूचना के अधिकार के कार्यकर्ता बन जाते हैं। सीजेआई की इस टिप्पणी के बाद युवाओं में व्यापक नाराजगी देखने को मिली थी। इसके बाद व्यंग्यात्मक ऑनलाइन आंदोलन "कॉकरोच जनता पार्टी" शुरू हुआ।

बाद में इसी संगठन के नेतृत्व में NEET-UG पेपर लीक के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय तक विरोध प्रदर्शन हुआ।

मीडिया को दी सलाह

सीजेआई ने मीडिया से न्यायिक कार्यवाही की जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ रिपोर्टिंग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज में सद्भाव बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। चाहे कोई सोशल मीडिया, प्रिंट या अन्य माध्यम से जुड़ा हो, सभी को अपने संवैधानिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का भी ध्यान रखना चाहिए।

बीसीआई को फटकार

छात्र गलत हों, तब भी उन्हें विरोध का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हैदराबाद की लॉ यूनिवर्सिटी, NALSAR से जुड़े विवाद पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को फटकार लगाई। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भले ही छात्रों का फैसला गलत हो या उन्हें किसी ने गलत सलाह दी हो, फिर भी उन्हें अपनी बात रखने और विरोध करने का अधिकार है। दरअसल, NALSAR के करीब 450 छात्रों ने जस्टिस सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह 2026 का चीफ गेस्ट बनाए जाने का विरोध किया था। जिसके बाद बीसीआई ने NALSAR के 2026 बैच के लॉ ग्रेजुएट्स का वकील के तौर पर एनरोलमेंट रोकने के लिए एक सर्कुलर जारी किया था। हालांकि कुछ देर बाद ही यह सर्कुलर रद्द कर दिया गया।

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स के लिए मुद्रक व प्रकाशक अनिता हाड़ा सागवान द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 304-308 थर्ड फ्लोर, सिटी मॉल, भगवानदास रोड, सी-स्कीम जयपुर-302001 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डीबी कॉर्प लि., शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित। **प्रधान संपादक:** डॉ. जगदीश चंद्र, **प्रबंध संपादक:** पवन अरोड़ा, **संपादक:** मनोज माथुर*, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 **फोन नं. :** 0141-4920504 (ऑफिस), **ई-मेल: sachbedhadakdaily@gmail.com**, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।